रामनारायण पंचांग

वीर नि.सं. 2549
शंकराचार्य सं. 2529
हिजरी सन 1444

विक्रम संवत् 2079 — पौष / माघ मास (11)

रा. शक संवत 1944
बंगला सन 1429

जनवरी 2023

वार					
रवि (SUNDAY)	पौष शुक्ल १०	8 माघ कृष्ण २	15 माघ कृष्ण ८	22 माघ शुक्ल १	29 माघ शुक्ल ८
सोम (MONDAY)	2 पुत्रदा एकादशी व्रत, पौष शुक्ल ११	9 माघ कृष्ण ३	16 माघ कृष्ण ९	23 माघ शुक्ल २	30 माघ शुक्ल ९
मंगल (TUESDAY)	3 पौष शुक्ल १२	10 तिल चौथ, संकटा चौथ ३	17 माघ कृष्ण १०	24 माघ शुक्ल ३	31 माघ शुक्ल १०
बुध (WEDNESDAY)	4 प्रदोष व्रत, पौष शुक्ल १३	11 माघ कृष्ण ४	18 षट्तिला एकादशी व्रत, माघ कृष्ण ११	25 माघ शुक्ल ४	ऐच्छिक अवकाश: ता. 6 गुरु गोविन्दसिंह ज., ता. 14 मकर संक्रांति, ता. 21 हेमूकालाणी श. दि., ता. 27 ... , ता. 28 माँ नर्मदा प्राकट्योत्सव
गुरु (THURSDAY)	5 पौष शुक्ल १४	12 राष्ट्रीय युवा दिवस, माघ कृष्ण ५	19 प्रदोष व्रत, तिल द्वादशी १२	26 गणतंत्र, बसंत पंचमी ५	
शुक्र (FRIDAY)	6 पौषी पूर्णिमा, स्ना.दा.व्र. पूर्णिमा १५	13 माघ कृष्ण ६	20 शिव चतुर्दशी व्रत, माघ कृष्ण १३/१४	27 शीतलाषष्ठी, माघ शुक्ल ६	मूल: पिछली तारीख से प्रारम्भ अश्विनी के ता. १ के ४।२८ शाम तक। आश्लेषा के ता. ८ को ४।५२ रात अंत से ता. १० के ७।२४ प्रातः तक फिर मघा के ता. ११ के ८।४३ दिन तक। ज्येष्ठा के ता. १८ को ११।३० दिन से ता. १८ के ११।२३ दिन तक फिर मूल के मूल ता. २० के ११ बजे दिन तक। रेवती के ता. २६ को १।१ रात से ता. २७ के ११।३० रात तक फिर अश्विनी के ता. २८ के ११।२४ रात तक रहेगा।
शनि (SATURDAY)	7 माघ कृष्ण १	14 मकर संक्रांति, माघ कृष्ण ७	21 मौनी/मौनी अमावस, स्ना.दा.श्रा. अमावस ३०	28 माँ नर्मदा प्राकट्योत्सव, अचला/रथ सप्तमी ७	

सूर्य उदय दिनांक 1 – 6:54 5 – 6:56 10 – 6:57 15 – 6:57 20 – 6:57 25 – 6:56
सूर्य अस्त दिनांक 1 – 5:32 5 – 5:36 10 – 5:38 15 – 5:41 20 – 5:44 25 – 5:48

दूध हिसाब / तिथि समय

ता.	सुबह	शाम	तिथि	समय कहाँ तक
1			१०	९।१६ रात तक
2			११	९।०२० रात तक
3			१२	१०।४४ रात तक
4			१३	११।१८ रात तक
5			१४	१।२६ रात तक
6			१५	३।२२ रात तक
7			१	४।३६ रात अं तक
8			२	दिन-रात
9			२	७।०१ प्रातः तक
10			३	१२।०९ दिन तक
11			४	११।१३ दिन तक
12			५	१।१२ दिन तक
13			६	२ बजे दिन तक
14			७	२।२६ दिन तक
15			८	३।२३ दिन तक
16			९	१।४६ दिन तक
17			१०	१२।४८ दिन तक
18			११	११।२३ दिन तक
19			१२	८।३० दिन तक
20			१३ / १४	६।३६ प्रात तक / ४।२३ रा.अं तक
21			३०	२।३३
22			१	१२।४१ रात तक
23			२	१०।२३ रात तक
24			३	८।१३ रात तक
25			४	६।१४ शाम तक
26			५	४।३४ शाम तक
27			६	३।१६ दिन तक
28			७	२।२२ दिन तक
29			८	१।४६ दिन तक
30			९	१।२१ दिन तक
31			१०	१।२९ दिन तक
योग				

ग्रहस्थिति

सूर्य – धनु राशि में, ता. १४ के ३।१० रात से मकर में। मंगल – वृष राशि में (वक्री), ता. १३ के ३।१२ दिन से मार्गी। बुध – धनु राशि में (वक्री), ता. १८ के ६।२७ रात अंत से मार्गी। गुरु – मीन राशि में। शुक्र – मकर राशि में, ता. २२ के ३।४ दिन से कुम्भ में। शनि – मकर राशि में, तारीख १७ के ६।४० दिन से कुम्भ में। राहु – मेष राशि में। केतु – तुला में।

यादहाश्त

राशिफल

मेष – सम्पत्ति लाभ, तृष्णा स्थानान्तरण
वृष – परेशानी, तनाव, जिम्मेदारी अधिक
मिथुन – व्यर्थ तनाव, वाहन लाभ, कष्ट
कर्क – मित्र सुख, मांगलिक कार्य, उन्नति
सिंह – धार्मिक कार्य, सफलता, रोग भय
कन्या – यात्रा, सफलता, रोग कष्ट, यश
तुला – जवाबदारी बढ़ेगी, देनदारी तनाव
वृश्चिक – खर्च अधिक, संतान चिन्ता
धनु – सफलता, स्थानान्तरण, व्यर्थ तनाव
मकर – वाहन कष्ट, मित्र मिलन, लाभ
कुम्भ – भूमि-भवन लाभ, स्वास्थ्य चिन्ता
मीन – नया विचार, दूर यात्रा, सफलता

शुभ मुहूर्त

विवाह – तारीख 15 से 19, 25 से 27, 30, 31 मुण्डन – ता. 19 उपनयन – ता. 24, 31 नामकरण – ता. 4, 12, 18, 23, 26 अन्नप्राशन – ता. 4, 12, 23, 26, 27 गृहप्रवेश – ता. 18, 27 व्यापार – ता. 1, 5, 12, 18, 26, 27, 28

मुख्य जयंती, दिवस

ता. 6 छेरछेरा (छत्तीसगढ़ में ऐच्छिक अवकाश)
ता. 10 विश्व हिन्दी दिवस
ता. 12 महर्षि महेश योगी जयंती
ता. 14 स्वामी रामानन्दाचार्य जयंती
ता. 20 अ.भा. मारवाड़ी युवा मंच स्था. दि.
ता. 21 वीर हेमूकालाणी शहीद दिवस
ता. 26 माँ पामेश्वरी, कवि निराला ज., म. खट्वांग जयंती
ता. 28 संत महादेव, महर्षि नवल ज., लाला लाजपतराय जयंती
ता. 30 शहीद स्मृति दिवस
ता. 31 अवतार मेहरबाबा की अमरतिथि

सर्वार्थ सिद्धि योग – ता. १ को सूर्योदय से ४।२८ शाम तक। ता. ३ को सूर्योदय से ५।२६ शाम तक। ता. ४ को सूर्योदय से रात अंत तक। ता. ८ को सूर्योदय से ४।५२ रात अंत तक। ता. १० को सूर्योदय से ७।२४ प्रातः तक। ता. १८ को सूर्योदय से ११।३० दिन तक। ता. २२ को सूर्योदय से ७।४८ प्रातः तक। ता. २६ को १।१ रात से ता. २७ के रात अंत तक। अमृत सिद्धि योग – ता. १८ को सूर्योदय से ११।३० दिन तक। तारीख २७ को सूर्योदय से ११।३० रात तक। द्विपुष्कर योग – तारीख १४ को २ बजकर ११ मिनिट दिन से २।२७ दिन तक। त्रिपुष्कर योग – तारीख ३ को सूर्योदय से ५।२६ शाम तक।

जनवरी माह के मुख्य व्रत, त्यौहार

ता. 2 पुत्रदा एकादशी व्रत
ता. 4 प्रदोष व्रत
ता. 6 स्ना.दा.व्रत, पौषी पूर्णिमा
ता. 10 सं.गणेश, तिल चौथ व्रत
ता. 14 मकर संक्रांति
ता. 15 मकर संक्रांति पुण्यकाल
ता. 18 षट्तिला एकादशी व्रत
ता. 26 बसंत पंचमी
ता. 27 शीतला षष्ठी
ता. 28 अचला, रथ सप्तमी, माँ नर्मदा प्राकट्योत्सव
ता. 29 भीष्माष्टमी
ता. 30 महानंदा नवमी

दिगम्बर जैन पर्व

मासफल – इस मास राजनीतिज्ञों को परस्पर संघर्ष और तनाव का सामना करना पड़ेगा। सोना, चाँदी, शेयर, खाद्य सामग्री आदि में तेजी दिखेगी। हार्ट अटैक, लकवा आदि से मृत्यु दर बढ़ेगी। वर्षा, बिजली आदि का तांडव देखने मिलेगा।

सूर्य नक्षत्र भ्रमण – पूर्वाषाढ़ा नक्षत्र में। तारीख ११ को ८।१६ रात से उत्तराषाढ़ा नक्षत्र में। ता. २४ को,१० बजकर ७ मिनिट रात से श्रवण नक्षत्र में भ्रमण करेगा।

मकर संक्रांति – ता. १४ को ३।१० मध्य रात में अर्की है, इसका पुण्यकाल, स्नानदान ता. १५ को दिन भर रहेगा। (वाहन-व्याघ्र, उपवाहन-वृष, वस्त्र-हरा, लेपन-चंदन)। परम्परागत रूप से तारीख १४ को भी मनेगी। इस दिन तिल, वस्त्र, कंबल आदि का दान करना चाहिये।

विक्रम संवत 2079 | वीर निर्वाण सं. 2549

रामनारायन®

FEBRUARY

ईस्वी सन् **2023**

सूर्य उत्तरायण, शिशिर ऋतु | शंकराचार्य संवत् 2529

भद्रास्थिति – पिछली तारीख से प्रारम्भ भद्रा ता. १ के ३।४२ दिन तक। ता. ४ को २।१४ रात से ता. ५ के ११।२८ दिन तक। ता. ८ को ३।१५ दिन से ४।३७ रात अंत तक। ता. ११ को ६।४६ रात अंत से ता. १२ के ६।४८ शाम तक। ता. १५ को १।४८ दिन से १२।४८ रात तक। ता. १८ को ६।८ शाम से ६।१८ रात अंत तक। ता. २३ को ६।१८ शाम से ६।१८ रात अंत तक। ता. २६ को ५।१४ रात अंत से ता. २७ के ५।२२ शाम तक भद्रा रहेगी।

गुरु, शुक्र तारा – गुरु पूर्व दिशा में, शुक्र पश्चिम दिशा में उदित।

पंचक – तारीख १४ को ११।३३ रात से तारीख १८ के ८।२३ दिन तक।

पुष्य नक्षत्र – तारीख ४ को १।१४ दिन से तारीख ५ के १२।११ दिन तक।

चन्द्रस्थिति – वृष का। ता. १ को ३।५७ दिन से मिथुन का। ता. ३ को २।२५ रात से कर्क का। ता. ६ को २।४६ दिन से सिंह का। ता. ८ को १।३३ रात से कन्या का। ता. ११ को १०।१२ दिन से तुला का। ता. १३ को ४।२४ शाम से वृश्चिक का। ता. १५ को ८।३१ रात से धनु का। ता. १७ को ११।१६ रात से मकर का। ता. १९ को १।३३ रात से कुम्भ का। ता. २१ को ४।१८ रात अंत से मीन का। ता. २४ को ८।२३ दिन से मेष का। ता. २६ को २।३८ दिन से वृष का। ता. २८ को ११।१६ रात से मिथुन का चन्द्रमा रहेगा। पिछले पृष्ठों का अवलोकन कर लाभान्वित बनिये।

उदयकालिक लग्न – ता. १ से १३ तक मकर लग्न, ता. १४ से कुम्भ लग्न।

ग्रहों के राशिचक्र तारीख १ उदयकाल में

हिजरी सन् 1444

रज्जब/शाबान मास (8)

ता. ५ हजरत अली जन्मदिन, ता. १९ शब-ए-मेराज, ता. 21 चन्द्रदर्शन, तारीख 22 से शाबान मास प्रारम्भ

2

माघ/फाल्गुन मास (12)

फरवरी

रा. शक संवत् 1944

रा. माघ 12 से रा. फाल्गुन ९ तक (ता. 20 से राष्ट्रीय फाल्गुन मास प्रारम्भ)

बंगला सन् 1429

११ माघ, ता. 14 से फाल्गुन मास प्रारम्भ

ग्रहों के राशिचक्र ता. १४ उदयकाल में

दूध हिसाब | प्राप्त का ब्यौरा | तिथि समय

ता.	दूध/मूल्य	दाम	प्राप्त का ब्यौरा	तिथि	समय बजे तक
1				११	३।४२ दिन तक
2				१२	४।१४ रात तक
3				१३	७।८ रात तक
4				१४	८।१४ रात तक
5				१५	११।२८ रात तक
6				१	१।२८ रात तक
7				२	३।१४ रात तक
8				३	४।३७ रा.अं.तक
9				४	५।३१ रा.अं.तक
10				५	६।४४ रा.अं.तक
11				६	६।४६ रा.अं.तक
12				७	६।१८ रा.अं.तक
13				८	४।१४ रा.अं.तक
14				९	२।३६ रात तक
15				१०	१२।४८ रात तक
16				११	१०।४४ रात तक
17				१२	८।२६ रात तक
18				१३	६।८ शाम तक
19				१४	३।५५ दिन तक
20				३०	१।२६ दिन तक
21				१	११।१६ दिन तक
22				२	८।१७ दिन तक
23				३	७।३७ रात तक
				४	६।१८ रा.अं.तक
24				५	५।२६ रा.अं.तक
25				६	४।२६ रा.अं.तक
26				७	४।१४ रा.अं.तक
27				८	५।२० रा.अं.तक
28				९	दिन-रात
योग					

ग्रहस्थिति

सूर्य – मकर राशि में, तारीख १३ के ९।४८ दिन से कुम्भ राशि में। **मंगल** – वृष राशि में। **बुध** – धनु राशि में, तारीख ७ के ७।७ प्रात से मकर राशि में, तारीख २७ के ४।२६ शाम से कुम्भ राशि में। **गुरु** – मीन राशि में। **शुक्र** – कुम्भ राशि में, ता. १५ के ६।१३ शाम से मीन राशि में। **शनि** – कुम्भ राशि में। **राहु** – मेष राशि में। **केतु** – तुला राशि में।

स्वर विचार – स्टार (*) लगी तारीखों में ऋषि-मुनियों के अनुसार उदयकाल में बायाँ स्वर रहना चाहिये।

वार					
रवि (SUNDAY)	**चेतावनी** – इस पंचांग का कोई भी मोबाइल 'एप' या 'पीडीएफ' हमारे द्वारा नहीं बनाया गया है इसलिये इस पंचांग का फर्जी 'एप' या 'पीडीएफ' या लिंक न खोलें अन्यथा आपका बैंक खाता खाली या फोन हेक हो सकता है।	13 **5** माघी पूर्णिमा, ★ स्ना.दा.व्र. पूर्णिमा १५	20 **12** फाल्गुन कृष्ण ७	27 **19** पंचक १।३३ रात से, फाल्गुन कृष्ण १४	5 **26** ★ फाल्गुन शुक्ल ७
सोम (MONDAY)		14 **6** फाल्गुन कृष्ण १	21 **13** सीताष्टमी, फाल्गुन कृष्ण ८	28 **20** सोमवती अमावस्या, स्ना.दा.श्रा. अमावस ३०	6 **27** होलाष्टक प्रारम्भ, ★ फाल्गुन शुक्ल ८
मंगल (TUESDAY)	**ऐच्छिक अवकाश** – ता. 4 रामचरण प्रभु ज., ता. 15 स्वामी दयानंद ज., ता. 24 शबरी जयंती। नोट – पूरे वर्ष में केवल तीन ऐच्छिक अवकाश लिये जा सकते हैं।	15 **7** फाल्गुन कृष्ण २	22 **14** फाल्गुन कृष्ण ९	29 **21** चन्द्रदर्शन, ★ फाल्गुन शुक्ल १	7 **28** ★ फाल्गुन शुक्ल ९
बुध (WEDNESDAY)	9 **1** जया (अजा) एकादशी, माघ शुक्ल ११	16 **8** फाल्गुन कृष्ण ३	23 **15** ★ फाल्गुन कृष्ण १०	1 **22** फुलरिया दौज, ★ फाल्गुन शुक्ल २	**ध्यान रखें** – व्रत-त्यौहार का निर्णय केवल तिथि का समय देखकर स्वयं न करें क्युं कि व्रत-त्यौहार में नक्षत्र, भद्रा, चौघड़िया एवं तिथि के प्रातः मध्याह्न-अपराह्न, शाम-रात आदि को भी देखना होता है।
गुरु (THURSDAY)	10 **2** तिल, भीष्म द्वादशी, माघ शुक्ल १२	17 **9** गणेश चतुर्थी व्रत, ★ फाल्गुन कृष्ण ४	24 **16** विजया एकादशी व्रत, ★ फाल्गुन कृष्ण ११	2 **23** संत गाडगे महाराज ज., विनायकी चतुर्थी व्रत, ★ फाल्गुन शुक्ल ३/४	**सूचना** – शुभ मुहूर्त आदि स्थूल रूप से दिये गये हैं। अतः मांगलिक कार्यक्रम की तिथि का फायनल निर्णय करने के पूर्व अपने आचार्य की सलाह अवश्य ले लेवें।
शुक्र (FRIDAY)	11 **3** ★ माघ शुक्ल १३	18 **10** ★ फाल्गुन कृष्ण ५	25 **17** ★ फाल्गुन कृष्ण १२	3 **24** लक्ष्मी जयंती, फाल्गुन शुक्ल ५	**मूल** – अश्लेषा के ता. ५ को १२।११ दिन से ता. ६ के २।४६ दिन तक फिर मघा के ता. ७ के ४।८ शाम तक। ज्येष्ठा के ता. १४ के ६।३४ रात से ता. १५ के ८।३१ रात तक फिर मूल के मूल ता. १६ के ७।१२ रात तक। रेवती के ता. २३ को ६।१ दिन से ता. २४ के ८।२३ दिन तक फिर अश्विनी के ता. २५ के ८।११ दिन तक।
शनि (SATURDAY)	12 **4** वीर तेजाजी जयंती, ★ माघ शुक्ल १४	19 **11** ★ फाल्गुन कृष्ण ६	26 **18** महाशिवरात्रि व्रत, एकलव्य दिवस, प्रदोष व्रत १३	4 **25** फाल्गुन शुक्ल ६	

सूर्य उदय दिनांक 1 – 6:54 | 5 – 6:53 | 10 – 6:50 | 15 – 6:46 | 20 – 6:44 | 25 – 6:39

सूर्य अस्त दिनांक 1 – 5:54 | 5 – 5:55 | 10 – 5:58 | 15 – 6:02 | 20 – 6:04 | 25 – 6:07

याददाश्त

राशिफल

मेष – वाहन लाभ, मांगलिक कार्य, यश
वृष – संतान सुख, अचानक लाभ, चिंता
मिथुन – भूमि प्राप्ति, सफलता, विवाद
कर्क – नया कार्य प्रारंभ, चोर भय, यात्रा
सिंह – भवन लाभ, स्वास्थ्य चिंता, यश
कन्या – पदोन्नति, जायदाद वृद्धि, चिंता
तुला – सहयोग, यात्रा, अचानक लाभ
वृश्चिक – खर्च अधिक, शेयर से लाभ
धनु – सफलता, रोग वृद्धि, वाहन कष्ट
मकर – मित्र-मिलन, धन लाभ, यात्रा
कुंभ – रोग कष्ट, दूरस्थ यात्रा, सफलता
मीन – प्रतिष्ठा वृद्धि, संतान सुख, तनाव

शुभ मुहूर्त

विवाह – ता. 1, 6 से 18, 22, 23, 27, 28 **मुण्डन** – ता. 3, 10, 15, 24 **उपनयन** – तारीख 2, 8, 10, 22, 24 **नामकरण** – ता. 1, 22, 23 **अन्नप्राशन** – ता. 3, 8, 10, 17, 22, 23, 24 **गृहारम्भ** – ता. 10 **गृह प्रवेश** – ता. 17 **व्यापार** – तारीख 5, 10, 17, 23, 24

मुख्य जयंती, दिवस

ता. 3 गुरु हरराय, प्रभु नित्यानंद जयंती
ता. 4 विश्व कैंसर दिवस
ता. 11 पं. दीनदयाल उपाध्याय पुण्यतिथि
ता. 15 कवि. सुभद्राकुमारी चौहान पु. ति.
ता. 18 नटराज नटेश्वर महादेव जयंती, लोधेश्वर दिवस (लोधी समाज)
ता. 19 गुरु गोलवलकर जयंती
ता. 22 स्वामी रामकृष्ण परमहंस जयंती
ता. 25 अवतार मेहेर बाबा जन्मोत्सव
ता. 27 चन्द्रशेखर आजाद शहीद दिवस

सर्वार्थ सिद्धि योग – ता. १ को सूर्योदय से ४।४२ रात अंत तक। ता. ३ को ७।६ प्रात से रात अंत तक। ता. ५ को सूर्योदय से १२।११ दिन तक। ता. १८ को ५।२ शाम से रात अंत तक। ता. २३ को ६।१ दिन से ता. २४ के रात अंत तक। ता. २७ को ६।११ दिन से रा. अं. तक। नारा-कबाड़ी, फलदार पेड़ लगायें।

अमृत सिद्धि योग – ता. २४ को सूर्योदय से ८ बजकर २३ मिनिट दिन तक।

त्रिपुष्कर योग – ता. १२ को १०।३८ रात से ४।६ रात अंत तक। ता. २१ को ११।१६ दिन से रात अंत तक। ता. २६ को ८।२७ दिन से ५।१४ रात अंत तक।

फरवरी माह की नर्मदा पंचकोसी पदयात्रा – ता. १ से ५ मनोकामनेश्वर, पिपलानी (छोटी कसरावद) एवं बाद्राभान-सूरजकुंड, बांद्राभान (होशंगाबाद), बेटावदी-कुंदेश्वरी, दयालपुरा (गोगावां-खरगोन)। ता. १६ से २० सिद्धनाथ सिद्धक्षेत्र (ऋषिकुंड) नेमावर, कद्दनाथ-नाभिकुंड-जोशा-फतेहगढ़ (रेवांटा) हंडिया (हरदा)। ता. २७ से ३ मार्च कवेश्वर-नर्मदेश्वर रावेर (खंडवा)।

फरवरी माह के मुख्य व्रत, त्यौहार

ता. 1 जया/अजा, भीष्म एकादशी
ता. 2 तिल/भीष्म द्वादशी, प्रदोष व्रत
ता. 5 स्नानदान व्रत, माघी पूर्णिमा
ता. 9 गणेश चतुर्थी व्रत
ता. 13 सीताष्टमी
ता. 16 विजया एकादशी व्रत
ता. 18 प्रदोष व्रत, महाशिवरात्रि व्रत
ता. 20 स्ना.दा.श्रा. सोमवती अमावस
ता. 21 चन्द्रदर्शन
ता. 22 फुलरिया दौज
ता. 23 विनायकी चतुर्थी व्रत

दिगम्बर जैन पर्व
ता. 3 से 5 रत्नत्रय पर्व
ता. 4 दशलक्षण पर्व समाप्त
ता. 6 षोडषकारण व्रत पूर्ण
ता. 27 अष्टान्हिका पर्व प्रारंभ
ता. 28 रोहिणी व्रत।

श्वेताम्बर जैन पर्व
ता. 4 एवं 19 पाक्षिक प्रतिक्रमण
ता. 26 चौमासी अट्ठाई प्रारम्भ

मासफल – इस मास पड़ोसी राष्ट्र में राजनैतिक उठा-पटक के संकेत हैं। भारत की राजनीति में आरोप-प्रत्यारोप का बोलबाला रहेगा। बजट से सभी वर्ग को साधने का प्रयास होगा। सभी धातुओं में आंशिक तेजी-मंदी का योग है। शेयर, अनाज, खाद्य सामग्री में तेजी-मंदी के झटके लगेंगे। संक्रमण, हार्टफेल आदि से मृत्यु दर बढ़ेगी। कुछ क्षेत्रों में ओलावृष्टि से फसल को हानि होगी।

सूर्य नक्षत्र भ्रमण – सूर्य श्रवण नक्षत्र में। ता. ६ को १२।१४ रात से धनिष्ठा नक्षत्र में। तारीख १९ को ३ बजकर ४६ मिनिट रात अंत से शतभिषा नक्षत्र में।

व्यतिपात योग – तारीख १७ को ६।३० रात से ता. १८ के ६।२२ शाम तक।

जनवरी माह की नर्मदा पदयात्रा – ता. २ से ६ तक भृगु-मतंग-नारद-पाण्डव स्मृति नसीराबाद ढाणा (बाबई), बाघेश्वरी मगुर-भगुर (भीकनगांव-खरगोन)। ता. १७ से २१ तक नर्मदापुरम्-बांद्राभान, होशंगाबाद (म.प्र.)। ता. २६ से ३० शिवपुर-भिलाड़िया-अर्जुना-बाबरी शिवपुर (सिवनी, मालवा)।

70 71 72 इस पंचांग की नकली, मिलती जुलती प्रतियां, मोबाइल एप या पी.डी.एफ. बनाने पर जेल पहुंचाने की कार्यवाही की जायेगी।

भद्रास्थिति – ता. २ को ६।१४ रात से ता. ३ के १०।१० दिन तक। ता. ६ को ४।२४ शाम से ५।१५ रात अंत तक। ता. १० को ८।२४ दिन से ८।३४ रात तक। ता. १३ को ६।३४ शाम से ५।४६ रात अंत तक। ता. १६ को ११।४८ रात से ता. १७ के १०।४६ दिन तक। ता. १६ को ३।४१ रात से ता. २० के २।३५ दिन तक। ता. २५ को ७।२१ प्रात. से ७।८ रात तक। तारीख २८ को ८।५२ रात से तारीख २६ के ६।३७ दिन तक भद्रा रहेगी।
गुरु, शुक्र तारा – गुरु पूरब दिशा में उदित, ता. ३१ के ६।३३ रात से पश्चिम दिशा में अस्त। शुक्र पश्चिम दिशा में उदित। भवन के पास फलदार पेड़ लगायें।
पंचक – तारीख १६ को ६।३७ दिन से तारीख २३ के ४।१० शाम तक।

विक्रम संवत् 2079/80 | वीर निर्वाण स. 2549

रामनारायन®

MARCH **2023**

सूर्य उत्तरायण, शिशिर ऋतु, ता. 16 से बसंत | ईस्वी सन् | शंकराचार्य संवत् 2529

चन्द्रस्थिति – मिथुन का। ता. ३ को १०।१८ दिन से कर्क का। ता. ५ को ६।२६ रात से सिंह का। ता. ८ को ८।५४ दिन से कन्या का। ता. १० को ५।४६ शाम से तुला का। ता. १२ को १२।१२ रात से वृश्चिक का। ता. १४ को ४।३० रात अंत से धनु का। ता. १७ को ७।२० प्रात. से मकर का। ता. १६ को ६।३७ दिन से कुम्भ का। ता. २१ को १२।१६ दिन से मीन का। ता. २३ को ४।१० शाम से मेष का। ता. २५ को १०।११ रात से वृष का। ता. २८ को ६।३६ प्रात. से मिथुन का। ता. ३० को ५।१४ शाम से कर्क का चन्द्रमा रहेगा। पीछे के पेजों पर छपी जानकारियाँ पढ़कर जागरूक बनें।
उदयकालिक लग्न – ता. १ से १५ तक कुम्भ लग्न, ता. १६ से मीन लग्न।

ग्रहों के गोचरवश तारीख १ उदयकाल में

गु.शु.१२	११	१०	
रा. १	म.बु.श.		६
म. २			८
चं. ३	५		७ के.
४		६	

हिजरी सन् 1444
सावान/रमजान मास (9)
तारीख 7 शब-ए-बारात, तारीख 23 चन्द्रदर्शन, तारीख 24 से रमजान मास एवं रोजा प्रारम्भ

3
फाल्गुन/चैत्र मास (1)
मार्च

रा.शक सं. 1944/45
रा. फाल्गुन 10 से रा. चैत्र 10 तक (ता. 22 से राष्ट्रीय चैत्र मास प्रारम्भ)
बंगला सन 1429
बं. फाल्गुन, ता.16 से चैत्र मास प्रारम्भ

ग्रहों के गोचरवश ता. १६ उदयकाल में

रा.शु.१	१२	११ बु.श.	
१	सू.गु.		१०
म. ३			६ च.
४		६	
	५	७ के.	

दूध हिसाब / प्रेस कपड़े / तिथि समय

ता.	सुबह	शाम	प्रेस का कपड़ा	तिथि	समय बजे तक
1				६	६।४६ प्रात तक
2				१०	८।१८ दिन तक
3				११	१०।१० दिन तक
4				१२	१२।१६ दिन तक
5				१३	२।२४ दिन तक
6				१४	४।२४ शाम तक
7				१५	६।६ शाम तक
8				१	७।२५ रात तक
9				२	८।१५ रात तक
10				३	८।३५ रात तक
11				४	८।२३ रात तक
12				५	७।४२ रात तक
13				६	६।३४ शाम तक
14				७	५।३ शाम तक
15				८	३।१२ दिन तक
16				६	१।६ दिन तक
17				१०	१०।४६ दिन तक
18				११	८।२५ दिन तक
18				१२	६।३ रा.अं तक
19				१३	३।४१ रात तक
20				१४	१।२६ रात तक
21				३०	११:३० रात तक
22				१	६।४६ रात तक
23				२	८।२६ रात तक
24				३	७।३४ रात तक
25				४	७।८ रात तक
26				५	७।१२ रात तक
27				६	७।४७ रात तक
28				७	८।५२ रात तक
29				८	१०।२२ रात तक
30				६	१२।१३ रात तक
31				१०	२।१६ रात तक
योग					

मूल – आश्लेषा के ता. ४ को ७।२१ रात से ता. ५ के ६।२६ रात तक फिर मघा के ता. ६ के १२।२१ रात तक। ज्येष्ठा के ता. १३ को ५।३० रात अंत से ता. १४ के ४।३० रात अंत तक फिर मूल के मूल ता. १५ के ३।१३ रात तक। रेवती के ता. २२ को ४।५३ शाम से ता. २३ के ४।१० शाम तक फिर अश्विनी के ता. २४ के ३।५२ दिन तक। आश्लेषा के ता. ३१ को २।२४ रात से प्रारम्भ होंगे।

ऐच्छिक अवकाश (राज्य शासन)
ता. 7 होलिका दहन, शब-ए-बारात
ता. 9 भाई दोज
ता. 18 माँ कर्मा देवी ज.
ता. 20 रानी अवंती बा.ति.

वार					
रवि (SUNDAY)		5 फाल्गुन शुक्ल १३	12 रंगपंचमी, चैत्र कृष्ण ५	19 वारुणी पर्व, प्रदोष व्रत १३	26 चैत्र शुक्ल ५
सोम (MONDAY)		6 फाल्गुन शुक्ल १४	13 एकनाथ छठ, चैत्र कृष्ण ६	20 शिव चतुर्दशी व्रत, चैत्र कृष्ण १४	27 चैत्र शुक्ल ६
मंगल (TUESDAY)		7 होलिका दहन, स्ना.दा.व्र. पूर्णिमा १५	14 भानु सप्तमी, चैत्र कृष्ण ७	21 पंचक, स्ना.दा.श्रा. अमावस ३०	28 चैत्र शुक्ल ७
बुध (WEDNESDAY)	1 फाल्गुन शुक्ल ६	8 होली उत्सव, बसंतोत्सव १	15 बसोरा, शीतलाष्टमी ८	22 गुड़ी पड़वा, चैत्र नवरात्रारंभ १	29 दुर्गाष्टमी व्रत, महाष्टमी व्रत ८
गुरु (THURSDAY)	2 फाल्गुन शुक्ल १०	9 संत तुकाराम जयंती, चित्रगुप्त पूजा, भाई दोज २	16 चैत्र कृष्ण ६	23 चेटीचंड, चन्द्रदर्शन, सिंधारा दोज २	30 ज्वारे विसर्जन, श्रीराम नवमी व्रत ६
शुक्र (FRIDAY)	3 रंगभरी ग्यारस, आमलकी एकादशी, फाल्गुन शुक्ल ११	10 गणेश चतुर्थी व्रत, चैत्र कृष्ण ३	17 चैत्र कृष्ण १०	24 सौभाग्य सुंदरी व्रत, गणगौर तीज व्रत ३	31 चैत्र शुक्ल १०
शनि (SATURDAY)	4 प्रदोष व्रत, गोविन्द द्वादशी १२	11 चैत्र कृष्ण ४	18 माँ कर्मा देवी जयंती, पापमोचनी एकादशी, चैत्र कृष्ण ११/१२	25 विनायकी चतुर्थी व्रत, चैत्र शुक्ल ४	अपने मित्रों एवं रिश्तेदारों को भी यही पंचांग खरीदने की सलाह दीजिये।

याददाश्त

राशिफल
मेष – पारिवारिक तनाव, सहयोग प्राप्ति
वृष – संतान सुख, यात्रा कष्ट, धन लाभ
मिथुन – यात्रा, सफलता, जायदाद वृद्धि
कर्क – संतान सुख, रोग कष्ट, यात्रा
सिंह – सम्मान, चिंता, खर्च अधिक
कन्या – संतान सुख, धन हानि, यश प्राप्ति
तुला – व्यर्थ तनाव, कष्ट, भूमि लाभ
वृश्चिक – मांगलिक कार्य, धन वृद्धि
धनु – भवन लाभ, खर्च अधिक, तनाव
मकर – पदोन्नति, चिंता, कार्यसिद्धि
कुंभ – भूमि से लाभ, स्थानांतरण, यात्रा
मीन – संयम से लाभ, साझेदारी तनाव

शुभ मुहूर्त
विवाह – ता. 1, 5 से 9, 11, 13, 14
उपनयन – तारीख 1, 2, 3
नामकरण – ता. 1, 2, 8, 9, 22, 23
अन्नप्राशन – ता. 1, 8, 9, 10, 17, 23, 24, 31 **गृहारंभ** – तारीख 3, 4
व्यापार – तारीख 3, 8, 9, 13

मुख्य जयंती, दिवस
ता. 3 योगेश्वर दयाल जयंती (नवल पंथ)
ता. 7 चैतन्य महाप्रभु जयंती
ता.10 सावित्री बाई फुले पुण्यतिथि
ता.15 विश्व उपभोक्ता संरक्षण दिवस
ता.22 राष्ट्रीय शक संवत् 1945 प्रारंभ, विक्रम सवत् 2080 प्रारम्भ, विश्व जल एवं ज्योतिष दिवस, डॉ.हेडगेवार ज., नवरेह (कश्मीर)
ता.23 भगतसिंह, सुखदेव, राजगुरु श.दि.
ता.25 गणेश शंकर विद्यार्थी बलि.दिवस
ता.26 गुरु हरगोविंद पुण्यतिथि
ता.30 संत सुंदरदास ज. (खंडेलवाल समाज)

ग्रहस्थिति
सूर्य – कुम्भ राशि में, ता. १५ के ६ बजे दिन से मीन में। **मंगल** – वृष राशि में, ता. १२ के १ बजे रात से मिथुन में। **बुध** – कुम्भ राशि में, ता. १६ के १०।२० दिन से मीन में, ता. ३१ के १।३४ दिन से मेष में। **गुरु** – मीन राशि में। **शुक्र** – मीन राशि में, ता. १२ के ६।३८ प्रात. से मेष राशि में। **शनि** – कुम्भ राशि में। **राहु** – मेष राशि में। **केतु** – तुला राशि में।

सूर्य उदय दिनांक	1 – 6:36	5 – 6:34	10 – 6:28	15 – 6:23	20 – 6:20	25 – 6:14
सूर्य अस्त दिनांक	1 – 6:09	5 – 6:10	10 – 6:13	15 – 6:15	20 – 6:16	25 – 6:20

सर्वार्थ सिद्धि योग – ता. १ को सूर्योदय से १२।११ दिन तक। ता. २ को २।१८ दिन से ता. ३ के ४।४५ शाम तक। ता. ११ को सूर्योदय से ६।२२ रात अंत तक। ता. १३ को सूर्योदय से ५।३० रात अंत तक। ता. १७ को १२।६ रात से ता. १८ के १०।२६ रात तक। ता. २१ को ५।५६ शाम से रात अंत तक। ता. २३ को सूर्योदय से ता. २४ के ३।५२ दिन तक। ता. २७ को सूर्योदय से ५।४७ शाम तक फिर ७।४७ रात से रात अंत तक। ता. ३० को सूर्योदय से ११।४८ रात तक। **अमृत सिद्धि योग** – ता. २७ को ७।४७ रात से रात अंत तक। **त्रिपुष्कर योग** – ता. १८ को १०।२६ रात से ६।३ रात अंत तक। ता. १८ को सूर्योदय से ७।२५ रात तक। **पुष्य नक्षत्र** – ता. ३ को ४।४५ शाम से ता. ४ के ७।२१ रात तक फिर ता. ३० को ११।४८ रात से ता. ३१ के २।२४ रात तक। **व्यतिपात योग** – ता. १५ को १०।७ दिन से ता. १६ के ७।१८ प्रात. तक। **नर्मदा पदयात्रा** – ता. १७ से २१ तक बाला मर्दाना कतरगांव (खरगोन)।

मार्च माह के मुख्य व्रत, त्यौहार

ता. 3 आमलकी, रंगभरी ग्यारस	ता. 19 प्रदोष व्रत, वारुणी पर्व
ता. 4 गोविन्द द्वादशी, प्रदोष व्रत	ता. 20 शिव चतुर्दशी व्रत
ता. 7 स्ना.दा.व्र. पूर्णिमा, होलिका दहन	ता. 21 स्नानदान श्राद्ध अमावस्या
ता. 8 होली उत्सव, बसंतोत्सव	ता. 22 गुड़ी पड़वा, नवरात्रारम्भ
ता. 9 भाई दोज, चित्रगुप्त पूजा	ता. 23 चेटीचंड, सिंधारा दोज, चन्द्रदर्शन
ता. 10 गणेश चतुर्थी व्रत	ता. 24 गणगौर तीज, सौभाग्य सुंदरी व्रत
ता. 12 रंगपंचमी	ता. 25 विनायकी चतुर्थी व्रत
ता. 13 एकनाथ छठ	ता. 29 दुर्गाष्टमी, महाष्टमी व्रत
ता. 14 भानु सप्तमी	ता. 30 श्रीराम नवमी व्रत
ता. 15 शीतलाष्टमी, बसोरा	
ता. 18 पापमोचनी एकादशी व्रत	

मासफल – इस मास देश के कुछ राज्यों में तनाव बढ़ाने एवं आंदोलन के प्रयास होंगे। सीमावर्ती प्रांतों में सैन्य हलचल बढ़ सकती है। शेयर, सोना, चाँदी एवं अन्य धातुओं में तेजी-मंदी रहेगी। पीलिया, टाइफाइड, अचानक हार्टफेल के रोगी बढ़ेंगे। देश के कुछ हिस्सों में वर्षा, तूफान एवं आँधी से क्षति होगी।
सूर्य नक्षत्र भ्रमण – शतभिषा में। ता. ५ को ६।२० दिन से पू.भा. में। ता. १८ को ५।१२ शाम से उ.भा. नक्षत्र में। ता. ३१ को ३।४३ रात से रेवती नक्षत्र में।
दिगम्बर जैन पर्व – ता. ७ अष्टान्हिका व्रत पूर्ण। ता. ७ षोडषकारण व्रत प्रारंभ। ता. १६ भ. ऋषभदेव जयंती। ता. २६ दशलक्षण व्रत प्रारंभ। तारीख २६ से ३० पुष्पांजली व्रत। तारीख २७ रोहिणी व्रत।
श्वेताम्बर जैन पर्व – ता. ६ चातुर्मासिक प्रतिक्रमण। ता. १५ वर्षी तप प्रारंभ, भ. आदिनाथ दीक्षा कल्याणक। ता. २० पाक्षिक प्रति.। ता. २१ चंद्रवर्ष पूर्ण ता. २८ नवपद ओली प्रा.। मोबाइल भी एक नशा है, बच्चों को इससे दूर रखें।

लाला रामस्वरूप रामनारायण पंचांग

90 वर्षों से प्रकाशित — अग्रवाल, जबलपुर

पानी कम पीना घातक

पानी कम पीने से जान का खतरा रहता है। गर्मी में पर्याप्त मात्रा में पानी, मट्ठा, शिकंजी, 'ओआरएस' आदि अवश्य पियें। बच्चों को भी पर्याप्त मात्रा में ये सभी पिलायें अन्यथा पानी की कमी से कब्ज, हृदय स्ट्रोक, लू लगने या किडनी खराब होने का डर रहता है। गर्मी में सूती वस्त्र पहनें।

ता. 4 भ. महावीर स्वामी जयंती

ता. 6 भ. हनुमान प्राकट्योत्सव

ता. 22 भ. परशुराम प्राकट्योत्सव

बिजली बिल कम करें

बिजली बिल कम करने के लिये एल.ई.डी. लाइट्स का उपयोग करें, जहाँ तक हो सके प्राकृतिक रोशनी व हवा से काम चलायें। ए.सी., पंखा, कूलर आदि फालतू खुला न छोड़ें, हो सके तो सूर्य से बिजली बनाने का सोलर सिस्टम छत पर लगवा लें उससे बिजली बिल में भारी कमी आयेगी।

जिन्दगी कभी भी ले सकती है करवट... कभी गुमान न कीजिये... बुलंदियाँ छुइये हजार, मगर उसके लिये कोई गुनाह न कीजिये।

भद्रास्थिति – ता. १ को ३।१४ दिन से ४।२२ रात अंत तक। ता. ४ को ६।१४ दिन से ६।३८ रात तक। ता. ८ को ६।४२ रात से ता. ९ के ६।२० दिन तक। ता. ११ को ४।४२ रात अंत से ता. १२ के ३।३४ दिन तक। ता. १४ को ८।३८ दिन से ७।२४ रात तक। ता. १८ को १२।४९ दिन से ११।३८ रात तक। ता. २३ को ८।३४ रात से ता. २४ के ८।५५ दिन तक। तारीख २७ को १।१३ दिन से २ बजकर १४ मिनिट रात तक भद्रा रहेगी।

गुरु, शुक्र तारा – गुरु अस्त, ता. २८ के ४।१७ रात अंत से पूर्व दिशा में उदित। शुक्र पश्चिम दिशा में उदित।

पंचक – तारीख १५ को ४।३८ शाम से तारीख १८ के ११।२७ रात तक।

विक्रम संवत् 2080 | वीर निर्वाण सं. 2549

रामनारायण

APRIL

सूर्य उत्तरायण, बसंत/ग्रीष्म ऋतु | ईस्वी सन् **2023** | शंकराचार्य संवत् 2529/30

चन्द्रस्थिति – कर्क का। ता. १ को ४ बजे रात अंत से सिंह का। ता. ४ को ४।१७ शाम से कन्या का। ता. ६ को १।१४ रात से तुला का। ता. ९ को ७।४४ प्रात से वृश्चिक का। ता. ११ को १२।२४ दिन से धनु का। ता. १३ को ३।२० दिन से मकर का। ता. १५ को ४।३८ शाम से कुम्भ का। ता. १७ को ८।१३ रात से मीन का। ता. १९ को ११।४७ रात से मेष का। ता. २१ को ४।४४ रात अंत से वृष का। ता. २४ को १।२४ दिन से मिथुन का। ता. २६ को १२।२१ रात से कर्क का। ता. २८ को १२।४ दिन से सिंह का चन्द्रमा रहेगा।

उदयकालिक लग्न – ता. १ से १४ तक मीन लग्न, ता. १५ से मेष लग्न।

ग्रहों के स्पष्टमान तारीख १ उदयकाल के

हिजरी सन् 1444

रमजान/सव्वाल मास (10)

4 | चैत्र/वैशाख मास (2)

अप्रैल

रा.शक संवत् 1945

रा. चैत्र 11 से रा. वैशाख 10 तक (ता. 21 से राष्ट्रीय वैशाख मास प्रारम्भ)

बंगला सन 1429/30

ग्रहों के स्पष्टमान ता. १५ उदयकाल के

दूध हिसाब / तिथि समय

ता.	सुबह	शाम	तिथि	समय बजे तक
1			११	४।२२ रा.अं.तक
2			१२	दिन-रात
3			१२	६।१८ प्रात तक
4			१३	७।५८ प्रात तक
5			१४	८।१४ दिन तक
6			१५	९।०१ दिन तक
7			१	१०।१७ दिन तक
8			२	१०।०३ दिन तक
9			३	६।२० प्रात तक
10			४	८।६ प्रात तक
11			५	६।३६ प्रात तक
			६	४।४२ रा.अं.तक
12			७	२।३४ रात तक
13			८	१२।१६ रात तक
14			९	१।४९ रात तक
15			१०	७।२७ रात तक
16			११	४।१३ शाम तक
17			१२	२।४६ दिन तक
18			१३	१२।४९ दिन तक
19			१४	११।१६ दिन तक
20			३०	९।४४ दिन तक
21			१	८।४८ प्रात तक
22			२	८।२० प्रात तक
23			३	८।२२ प्रात तक
24			४	८।५५ प्रात तक
25			५	९।५७ दिन तक
26			६	११।२६ दिन तक
27			७	१।१३ दिन तक
28			८	३।१४ दिन तक
29			९	५।१७ शाम तक
30			१०	७।१२ रात तक
योग				

अप्रैल 2023

वार					
रवि (SUNDAY)	30 वैशाख शुक्ल १०	2 मदन द्वादशी, चैत्र शुक्ल १२	9 गणेश चतुर्थी व्रत, वैशाख कृष्ण ३	16 वरूथिनी एकादशी व्रत, वैशाख कृष्ण ११	23 विनायकी चतुर्थी व्रत, वैशाख शुक्ल ३
सोम (MONDAY)	मूल (see below)	3 प्रदोष व्रत, चैत्र शुक्ल १२	10 वैशाख कृष्ण ४	17 पंचक, प्रदोष व्रत १२	24 वैशाख शुक्ल ४
मंगल (TUESDAY)		4 चैत्र शुक्ल १३	11 वैशाख कृ. ५/६	18 शिव चतुर्दशी व्रत, वैशाख कृष्ण १३	25 वैशाख शुक्ल ५
बुध (WEDNESDAY)		5 व्रत पूर्णिमा, रेणुका चतुर्दशी १४	12 वैशाख कृष्ण ७	19 श्राद्ध अमावस्या, वैशाख कृष्ण १४	26 वैशाख शुक्ल ६
गुरु (THURSDAY)	चेतावनी (see below)	6 भ. हनुमान प्राकट्योत्सव, स्नानदान पूर्णिमा १५	13 वैशाख कृष्ण ८	20 सतुवाई अमावस्या, स्नानदान अमावस्या ३०	27 गंगा सप्तमी, वैशाख शुक्ल ७
शुक्र (FRIDAY)	तत्कालिक अवकाश (see below)	7 गुड फ्राइडे, वैशाख कृष्ण १	14 डॉ. आम्बेडकर जयंती, वैशाख कृष्ण ६	21 चन्द्रदर्शन, वैशाख शुक्ल १	28 वैशाख शुक्ल ८
शनि (SATURDAY)	1 कामदा एकादशी व्रत, चैत्र शुक्ल ११	8 आसों दौज, वैशाख कृष्ण २	15 विषु, वैशाख कृष्ण १०	22 अक्षय तृतीया २	29 सीता जयंती, वैशाख शुक्ल ९

मूल – पिछले प्रारम्भ अश्लेषा के ता. १ के ४ बजे रात अंत तक फिर मघा के ता. ३ के ७।२० प्रात तक। ज्येष्ठा के ता. १० को १।१८ दिन से ता. ११ के १२।२४ दिन तक फिर मूल के मूल ता. १२ के ११।११ दिन तक। रेवती के ता. १८ को १२।४४ रात से ता. १९ के ११।४७ रात तक फिर अश्विनी के ता. २० के ११।३३ रात तक। आश्लेषा के ता. २८ को १२।३० दिन से ता. २८ के १२।४ दिन तक फिर मघा के ता. ३० के २।३६ दिन तक रहेंगे।

चेतावनी – इस पंचांग का कोई भी मोबा. 'एप' या 'पीडीएफ' हमारे द्वारा नहीं बनाया गया है इसलिये इस पंचांग का फर्जी 'एप' या 'पीडीएफ' पर लिंक न खोलें अन्यथा आपका बैंक खाता खाली हो सकता है।

तत्कालिक अवकाश – ता. 5 हाटकेश्वर जयंती, ता. 11 ज्योतिबा फुले ज., ता. 15 विषु, ता. 17 संत सेन जयंती, ता. 21 जुमातुल विदा, ता. 25 आ. शंकराचार्य ज.

यादृदाश्त

राशिफल

- मेष – स्वास्थ्य चिंता, संतान सुख, यात्रा
- वृष – शुभ समाचार, सार्वजनिक कार्य
- मिथुन – सफलता, संतान सुख, मित्र कष्ट
- कर्क – रोजगार प्राप्ति, मित्र सहयोग, यश
- सिंह – शुभ समाचार, यात्रा कष्ट, चिंता
- कन्या – जायदाद वृद्धि, स्वास्थ्य कष्ट
- तुला – शेयर से लाभ, मित्र मिलन, प्रवास
- वृश्चिक – आघात, तीर्थयात्रा, अपव्यय
- धनु – विश्वासघात, पारिवारिक तनाव
- मकर – लाभ, संतान सुख, नई योजना
- कुम्भ – धार्मिक कार्य, खर्चा भय, खर्च
- मीन – वाहन प्राप्ति, स्वास्थ्य चिंता, कष्ट

शुभ मुहूर्त

विवाह – ता. 30 **नामकरण** – ता. 6, 10, 20, 24, 26, 27 **अन्नप्राशन** – ता. 7, 26, 27 **व्यापार** – ता. 3, 6, 7, 10, 13, 23, 24, 27, 28

मुख्य जयंती, दिवस

- ता. 1 बैंक वार्षिक लेखाबंदी
- ता. 5 गुरु हरकिशन पुण्यतिथि
- ता. 6 धरती पूजा (छठी पर्व) (छ.ग.)
- ता. 7 विश्व स्वास्थ्य दिवस
- ता. 11 गुरु तेगबहादुर जयंती
- ता. 13 जलियांवाला बाग दिवस
- ता. 14 वैसाखी पर्व, भूजिया दिवस, अग्नि निरोधक दिवस
- ता. 16 प्रभु वल्लभाचार्य जयंती
- ता. 22 विश्व पृथ्वी दिवस
- ता. 24 सत्य साईं बाबा महाप्रयाण दिवस
- ता. 25 विश्व मलेरिया जागरूकता दिवस
- ता. 26 रामानुजाचार्य जयंती
- ता. 29 संत धूरा भगत जयंती

ग्रहस्थिति

सूर्य – मीन राशि में, ता. १४ के ३ बजकर ५ मिनिट शाम से मेष राशि में। **मंगल** – मिथुन राशि में। **बुध** – मेष राशि में, ता. २१ के २ बजकर ३ मिनिट रात से वक्री। **गुरु** – मीन राशि में, ता. २२ के ६ बजकर ४१ मिनिट प्रात से मेष राशि में। **शुक्र** – मेष राशि में, तारीख ६ के ८ बजकर २४ मिनिट दिन से वृष राशि में। **शनि** – कुम्भ राशि में। **राहु** – मेष राशि में। **केतु** – तुला राशि में।

	1	5	10	15	20	25
सूर्य उदय दिनांक	1 – 6:04	5 – 6:03	10 – 6:00	15 – 5:55	20 – 5:50	25 – 5:45
सूर्य अस्त दिनांक	1 – 6:22	5 – 6:23	10 – 6:24	15 – 6:26	20 – 6:27	25 – 6:30

सर्वार्थ सिद्धि योग – ता. ५ को ११।२८ दिन से रात अंत तक। ता. ८ को सूर्योदय से २ बजे दिन तक। ता. १० को सूर्योदय से १।१८ दिन तक। ता. १४ को ८।१८ दिन से ता. १५ के ६।२७ प्रात तक। ता. १८ को सूर्योदय से १२।४४ रात तक। ता. २० को सूर्योदय से ११।३३ रात तक। तारीख २४ को सूर्योदय से २ बजकर ३१ मिनिट रात तक। ता. २७ को सूर्योदय से रात अंत तक।

अमृत सिद्धि योग – ता. २४ को सूर्यो. से २।३१ रात तक। ता. २७ को ६।४५ प्रात: से रात अंत तक। **त्रिपुष्कर योग** – ता. २२ को सूर्योदय से ८।२० दिन तक। **पुष्य नक्षत्र** – ता. २७ को ६।४५ प्रात: से ता. २८ के ६।२७ दिन तक। **नर्मदा पंचकोशी पदयात्रा** – ता. २ से ६ माहिष्मति-जलकोटि (अहिल्या घाट) ... सहस्त्रधारा-शाल्मल-ऋषि स्मृति मांडिया-घाट (पिपरिया)।

अप्रैल माह के मुख्य व्रत, त्यौहार

ता. 1 कामदा एकादशी व्रत	ता. 17 प्रदोष व्रत
ता. 2 मदन द्वादशी	ता. 18 शिव चतुर्दशी व्रत
ता. 3 प्रदोष व्रत	ता. 19 श्राद्ध अमावस्या
ता. 5 रेणुका चतुर्दशी, व्रत पूर्णिमा	ता. 20 स्नानदान, सतुवाई अमावस
ता. 6 स्नानदान पूर्णिमा, भ. हनुमान प्राकट्योत्सव	ता. 21 चन्द्रदर्शन
	ता. 22 अक्षय तृतीया
ता. 8 आसों दौज	ता. 23 विनायकी चतुर्थी व्रत
ता. 9 गणेश चतुर्थी व्रत	ता. 27 गंगा सप्तमी

मासफल – इस मास सीमावर्ती राज्यों में आतंकवादी गतिविधियों में वृद्धि होगी। केन्द्र एवं कुछ राज्य सरकारों में तनातनी बढ़ेगी, उकसाने वाली घटनाओं में भी वृद्धि होगी। शेयर, धातुओं एवं खाद्य सामग्री में वृद्धि रहेगी। कुछ क्षेत्रों में प्राकृतिक प्रकोप भी देखने मिलेगा। पीलिया टाईफाइड आदि संक्रामक रोग बढ़ेंगे। **सूर्य नक्षत्र प्रवेश** – सूर्य रेवती नक्षत्र में। तारीख १४ को ४।१५ शाम से अश्विनी नक्षत्र में। तारीख २८ को ६।१६ दिन से भरणी नक्षत्र में। **व्यतिपात योग** – तारीख ६ को १०।११ रात से तारीख १० के ७।४७ रात तक। **दिगम्बर जैन पर्व** – तारीख ४ भ. महावीर स्वामी जयंती। तारीख ४ से ६ तक रत्नत्रय व्रत। तारीख ५ दशलक्षण पर्व पूर्ण। तारीख ७ षोडशकारण व्रत पूर्ण। तारीख २२ अक्षय तृतीया। ता. २५ रोहिणी व्रत।

'अभिमान' नहीं होना चाहिये कि मुझे किसी की जरुरत नहीं पड़ेगी और यह 'वहम' भी नहीं होना चाहिये कि सबको मेरी जरूरत पड़ेगी

भद्रास्थिति – ता. १ को ८:११ दिन से ८:४० रात तक। ता. ४ को ११:१४ रात से ता. ५ के १०:४७ दिन तक। ता. ८ को ८:१६ दिन से ७:१८ रात तक। ता. ११ को १२:४४ दिन से ११:४२ रात तक। ता. १४ को ४:३१ शाम से ३:२३ रात तक। ता. १७ को १०:१२ रात से ता. १८ के ९:४३ दिन तक। ता. २३ को १०:४४ दिन से ११:३७ रात तक। ता. २६ को ५:२३ रात अंत में ता. २७ के ६:२० शाम तक। ता. ३० को १०:३१ रात से ता. ३१ के १०:४३ दिन तक भद्रा रहेगी।

गुरु, शुक्र तारा – गुरु पूर्व दिशा में, शुक्र पश्चिम दिशा में उदित।

पंचक – तारीख १२ को १:४८ रात से तारीख १७ के ७:३० प्रात तक।

रामनारायन

विक्रम संवत् 2080 | वीर निर्वाण सं. 2549

MAY 2023

सूर्य उत्तरायन, ग्रीष्म ऋतु, ईस्वी सन् 2023, शंकराचार्य संवत 2530

5 वैशाख/ज्येष्ठ मास (3)

मई

चन्द्रस्थिति – सिंह का। ता. १ को ११:२१ रात से कन्या का। ता. ४ को ८:४२ दिन से तुला का। ता. ६ को ३:३८ दिन से वृश्चिक का। ता. ८ को ८:२० रात से धनु का। ता. १० को ११:२४ रात से मकर का। ता. १२ को १:४३ रात से कुम्भ का। ता. १४ को ४:१४ रात अंत से मीन का। ता. १७ को ७:३० प्रात. से मेष का। ता. १९ को १:२२ दिन से वृष का। ता. २१ को ९:१९ रात से मिथुन का। ता. २४ को ७:३३ प्रात. से कर्क का। ता. २६ को ७:१४ रात से सिंह का। ता. २९ को ६:३९ प्रात. से कन्या का। ता. ३१ को ४:१६ शाम से तुला का चन्द्रमा रहेगा।

उदयकालिक लग्न – ता. १ से १४ तक मेष लग्न, ता. १६ से वृष लग्न

ग्रहों के राशिचार तारीख १ अरुणकाल में

हिजरी सन् 1444 – सव्वाल/जिल्काद मास (11) – तारीख 21 चन्द्रदर्शन, तारीख 22 से जिल्काद मास प्रारम्भ

रा.शक संवत् 1945 – रा.वैशाख 11 से रा.ज्येष्ठ 10 तक (ता. 22 से राष्ट्रीय ज्येष्ठ मास प्रारम्भ)

बंगला सन् 1430 – बं. वैशाख, ता.16 से ज्येष्ठ मास प्रारम्भ

ग्रहों के राशिचार ता. १६ अरुणकाल में

ता.	सुबह	शाम	तिथि	समय बजे तक
1			११	[illegible] रात तक
2			१२	[illegible] रात तक
3			१३	[illegible] रात तक
4			१४	[illegible]
5			१५	[illegible]
6			१	[illegible]
7			२	[illegible]
8			३	[illegible]
9			४	[illegible]
10			५	[illegible]
11			६	[illegible] दिन तक
12			७	[illegible] दिन तक
13			८	[illegible] दिन तक
14			९	[illegible] प्रात तक
			१०	[illegible] रात तक
15			११	[illegible] रात तक
16			१२	[illegible]
17			१३	[illegible]
18			१४	[illegible] रात तक
19			३०	[illegible]
20			१	[illegible]
21			२	[illegible] रात तक
22			३	[illegible] रात तक
23			४	[illegible] रात तक
24			५	[illegible] रात तक
25			६	[illegible] रात तक
26			७	[illegible] रात तक
27			८	दिन-रात
28			८	[illegible] प्रात तक
29			९	[illegible] दिन तक
30			१०	[illegible] दिन तक
31			११	[illegible] दिन तक
योग				

दूध हिसाब | पुस्तक का कम्प | तिथि समय

ऐच्छिक अवकाश – ता. 22 महाराणा प्रताप ज., ता. 29 महेश नवमी। नोट – वर्ष में केवल तीन ऐच्छिक अवकाश लिये जा सकते हैं।

वार					
रवि (SUNDAY)		7 ज्येष्ठ कृष्ण २	14 पंचक, ज्येष्ठ कृष्ण ९/१०	21 चन्द्रदर्शन, ज्येष्ठ शुक्ल २	28 ज्येष्ठ शुक्ल ८
सोम (MONDAY)	1 मोहिनी एकादशी व्रत, वैशाख शुक्ल ११	8 गणेश चतुर्थी व्रत, ज्येष्ठ कृष्ण ३	15 अचला एकादशी व्रत, ज्येष्ठ कृष्ण ११	22 रम्भा तीज व्रत, ज्येष्ठ शुक्ल ३	29 महेश नवमी, ज्येष्ठ शुक्ल ९
मंगल (TUESDAY)	2 वैशाख शुक्ल १२	9 ज्येष्ठ कृष्ण ४	16 पंचक, ज्येष्ठ कृष्ण १२	23 अ. विनायकी चतुर्थी व्रत, ज्येष्ठ शुक्ल ४	30 गंगा दशहरा, ज्येष्ठ शुक्ल १०
बुध (WEDNESDAY)	3 प्रदोष व्रत, वैशाख शुक्ल १३	10 ज्येष्ठ कृष्ण ५	17 शिव चतुर्दशी व्रत, प्रदोष व्रत १३	24 ज्येष्ठ शुक्ल ५	31 निर्जला एकादशी, ज्येष्ठ शुक्ल ११
गुरु (THURSDAY)	4 नरसिंह चतुर्दशी, वैशाख शुक्ल १४	11 ज्येष्ठ कृष्ण ६	18 ज्येष्ठ कृष्ण १४	25 ज्येष्ठ शुक्ल ६	
शुक्र (FRIDAY)	5 वैशाखी पूर्णिमा, स्ना.दा.व्र. पूर्णिमा १५	12 ज्येष्ठ कृष्ण ७	19 वट अमावस्या, स्ना.दा.व्र. अमावस ३०	26 ज्येष्ठ शुक्ल ७	
शनि (SATURDAY)	6 ज्येष्ठ कृष्ण १	13 पंचक, ज्येष्ठ कृष्ण ८	20 ज्येष्ठ शुक्ल १	27 ज्येष्ठ शुक्ल ८	व्रत त्यौहारों के भ्रम से बचने के लिये यही "रामनारायन" पंचांग खरीदिये।

मूल – ज्येष्ठा के ता. ७ को ६:११ रात से ता. ८ के ८:२० रात तक फिर मूल के मूल ता. ९ के ७:११ रात तक। रेवती के ता. १६ को ८:४२ दिन से ता. १७ के ७:३० प्रात तक फिर अश्विनी के ता. १८ के ७:२२ प्रात तक। आश्लेषा के ता. २५ को ४:३७ शाम से ता. २६ के ७:१४ रात तक फिर मघा के ता. २७ के ६:४० रात तक।

याददाश्त

राशिफल

- मेष – व्यर्थ मतभेद, शुभ समाचार, ...
- वृष – नया विचार, पदोन्नति, वाहन ला...
- मिथुन – अपयश, मित्र से लाभ, ...
- कर्क – मित्र मिलन, सफलता, तन...
- सिंह – सहयोग, अचानक लाभ, ...
- कन्या – वाहन कष्ट, संतान सुख, ...
- तुला – मांगलिक कार्य, पदोन्नति, ...
- वृश्चिक – सफलता, पारिवारिक वि...
- धनु – शेयर से लाभ, मित्र मिलन, ...
- मकर – पुत्र सुख, चोराटि भय, लाभ...
- कुंभ – भवन वाहन लाभ, व्यर्थ तन...
- मीन – स्वास्थ्य कष्ट, तनाव, स्थानान...

शुभ मुहूर्त

विवाह – ता. 1 से 11, 15, 16, 2... 22, 26 से 31 मुण्डन – ता. 3, 8, ... उपनयन – ता. 7, 10, 21, 22, ... नामकरण – ता. 1, 3, 11, 15, 17, ... 24, 29 अन्नप्राशन – ता. 3, 11, ... 17, 22, 24, 29 गृहारम्भ – ता. 3... प्रवेश – ता. 3, 15, 29, 31 व्यापार... ता. 7, 10, 11, 15, 21, 22, 29, ...

मुख्य जयंती, दिवस

- ता. 1 महाराष्ट्र, गुजरात स्थापना दि...
- ता. 5 गुरु गोरखनाथ प्रगटन दिवस, महर्षि भृगु एवं टेकचंद म. ज...
- ता. 7 मीना समाज मंदिर ...
- ता. 15 अंतर्राष्ट्रीय परिवार दिवस
- ता. 17 विश्व दूरसंचार दिवस
- ता. 22 राजा राममोहन राय जयंती
- ता. 27 प. जवाहरलाल नेहरू पुण्यति...
- ता. 30 महर्षि गालव अवतरण दिवस
- ता. 31 विश्व धूम्रपान निषेधक दिव...

ग्रहस्थिति

सूर्य – मेष राशि में, ता. १५ के ११:२६ दिन से वृष में। मंगल – मिथुन राशि में, ता. १० के ११:४७ दिन से कर्क में। बुध – मेष राशि में (वक्री), ता. १५ के १२:१८ रात से मार्गी। गुरु – मेष राशि में। शुक्र – वृष राशि में, ता. २ के २:३४ दिन से मिथुन में, ता. ३० के २:१८ दिन से कर्क में। शनि – कुम्भ राशि में। राहु – मेष राशि में। केतु – तुला राशि में।

सूर्य उदय दिनांक	1 – 5:41	5 – 5:39	10 – 5:35	15 – 5:32	20 – 5:31	25 – 5:29
सूर्य अस्त दिनांक	1 – 6:33	5 – 6:35	10 – 6:37	15 – 6:40	20 – 6:41	25 – 6:45

सर्वार्थ सिद्धि योग – ता. ३ को सूर्योदय से ८:१३ रात तक। ता. १२ को सूर्योदय से २:३३ दिन तक। ता. १६ को सूर्योदय से ८:४२ दिन तक। ता. १८ को सूर्योदय से ७:२० प्रात तक। ता. २० को ७:४१ प्रात. से रात अंत तक। ता. २२ को सूर्योदय से १०:१ दिन तक। ता. २५ को सूर्योदय से ४:३७ शाम तक। **अमृत सिद्धि योग** – ता. २० को ७:४१ प्रात. से रात अंत तक। ता. २२ को सूर्योदय से १०:१ दिन तक। ता. २५ को सूर्योदय से ४:३७ शाम तक। **द्विपुष्कर योग** – ता. २१ को ८:३६ दिन से ६:१२ रात तक। **त्रिपुष्कर योग** – ता. २ को सूर्योदय से ६:४६ शाम तक। **नर्मदा पंचकोशी पदयात्रा** – ता. १ से ... गौदुग्धनाथ-गोपेश्वर (त्रिवेणी संगम) गौडागांव (टिमरनी), शूलपाणेश्वर-... उत्तमा (एकटेश्वर ब्रिज), गुजरात। ता. १५ से १९ तक ...

मई माह के मुख्य व्रत, त्यौहार

- ता. 1 मोहिनी एकादशी व्रत
- ता. 3 प्रदोष व्रत
- ता. 4 नरसिंह चतुर्दशी
- ता. 5 स्नानदान व्रत पूर्णिमा, वैशाखी, बुद्ध पूर्णिमा
- ता. 8 गणेश चतुर्थी व्रत
- ता. 15 अचला/अपरा एकादशी व्रत
- ता. 17 प्रदोष व्रत, शिव चतुर्दशी व्रत
- ता. 21 चन्द्रदर्शन
- ता. 22 रम्भा तीज व्रत
- ता. 23 अ. विनायकी चतुर्थी व्रत
- ता. 29 महेश नवमी (माहेश्वरी समाज)
- ता. 30 गंगा दशहरा
- ता. 31 निर्जला एकादशी व्रत

दिगम्बर जैन पर्व

- ता. 18 शांतिनाथ जयंती व मोक्ष

मासफल – इस मास केन्द्र सरकार मंत्रिमण्डल में आंशिक फेर-बदल ... क्षेत्रीय दलों का प्रतिनिधित्व बढ़ा सकती है। मुफ्त बिजली आदि पर न्याय... का निर्णय आ सकता है। कुछ राज्य फण्ड की कमी से परेशानी का ... करेंगे। शेयर, धातु, खाद्य सामग्री में तेजी परिलक्षित होगी। हार्ट अटैक ... दर का ग्राफ एवं लू, वर्षा बादल, उमस भरी गर्मी आदि का प्रकोप ...

सूर्य नक्षत्र भ्रमण – सूर्य भरणी नक्षत्र में। ता. ११ को ४:१७ रात ... कृत्तिका नक्षत्र में। ता. २५ को १ बजकर ४३ मिनिट रात से रोहिणी न...

व्यतिपात योग – तारीख ५ को ६:१७ दिन से तारीख ६ के ७:५३ प्रा... फिर तारीख ३० को ७:१८ रात से ता. ३१ के ६ बजकर ३८ मिनिट शा...

हम जितना ज्यादा कार्य करते हैं उतनी ज्यादा कार्य करने की हमारी शक्ति बढ़ती है।

चन्द्रस्थिति – ता. ३ को १०।१ दिन से ६।३४ रात तक। ता. ६ को ४।२२ शाम से ३।२० रात तक। ता. ९ को ८।१४ रात से ता. १० के ६।३३ प्रात तक। ता. १२ को १२।२६ रात से ता. १३ के ११।३२ दिन तक। ता. १६ को ८।३२ दिन से ८।३० रात तक। ता. २१ को १।४७ रात से ता. २२ के २।२६ दिन तक। ता. २४ को ८।२८ रात से ता. २६ के ६।६ दिन तक। ता. २८ को १०।४१ दिन से १०।३४ रात तक भद्रा रहेगी।

गुरु, शुक्र अस्त – गुरु पूर्व दिशा में उदित, शुक्र पश्चिम दिशा में उदित।

पंचक – तारीख ९ को ६।२५ दिन से तारीख १३ के ३।२० दिन तक।

विक्रम संवत् 2080 | **वीर निर्वाण सं. 2549**

रामनारायन

JUNE 2023

सूर्य उत्तरायण, ग्रीष्म/वर्षा ऋतु | ईस्वी सन् 2023 | शंकराचार्य संवत् 2530

चन्द्रस्थिति – तुला का। ता. २ को ११।२७ रात से वृश्चिक का। ता. ४ को ४।२२ रात अंत से धनु का। ता. ७ को ७।३३ प्रात से मकर का। ता. ९ को ६।२४ दिन से कुम्भ का। ता. ११ को १२।२३ दिन से मीन का। ता. १३ को ३।४० दिन से मेष का। ता. १५ को ६।१० रात से वृष का। ता. १७ को ४।४१ रात अंत से मिथुन का। ता. २० को २।१४ दिन से कर्क का। ता. २२ को २।३० रात से सिंह का। ता. २५ को २।१ दिन से कन्या का। ता. २७ को ११।५२ रात से तुला का। ता. ३० को ७।१९ प्रात से वृश्चिक का चन्द्रमा रहेगा।

उदयकालिक लग्न – ता. १ से १४ तक वृष लग्न, ता. १५ से मिथुन लग्न।

ग्रहों के राशिचक्र तारीख १ उदयकाल में

हिजरी सन् 1444

जिलकाद/जिलहेज मास (12)

तारीख १९ चन्द्रदर्शन, तारीख 20 से जिलहेज मास प्रारम्भ, ता. 26 हज्ज, ईद-उल-अदहा, ता. 29 ईदुज्जुहा

6

जून

ज्येष्ठ/आषाढ मास (4)

रा. शक संवत् 1945

रा. ज्येष्ठ 11 से रा. आषाढ 9 तक

(ता. 22 से राष्ट्रीय आषाढ मास प्रारम्भ)

बंगला सन् 1430

ग्रहों के राशिचक्र ता. १५ उदयकाल में

दूध हिसाब / तिथि समय

ता.	सुबह	शाम		तिथि	समय बजे तक
1				१२	११।४ दिन तक
2				१३	१०।४४ दिन तक
3				१४	१०।४ दिन तक
4				१५	८।४८ दिन तक
5				१	७।४२ प्रात तक
6				२	४।३० प्रात तक
				३	३।२० रात तक
7				४	१ बजे रात तक
8				५	१०।३३ रात तक
9				६	८।२ रात तक
10				७	३।४० शाम तक
11				८	३।२३ दिन तक
12				९	१।१५ दिन तक
13				१०	११।३२ दिन तक
14				११	१०।६ दिन तक
15				१२	९।१ दिन तक
16				१३	८।३२ दिन तक
17				१४	८।२८ दिन तक
18				३०	८।५५ दिन तक
19				१	९।५२ दिन तक
20				२	११।१५ दिन तक
21				३	१२।५८ दिन तक
22				४	२।५६ दिन तक
23				५	४।५६ शाम तक
24				६	६।४० शाम तक
25				७	८।२८ रात तक
26				८	९।१३ रात तक
27				९	१०।३० रात तक
28				१०	१०।४७ रात तक
29				११	१०।३४ रात तक
30				१२	९।३१ रात तक
योग					

ग्रहस्थिति

सूर्य – वृष राशि में, ता. १५ के ६।२३ रात से मिथुन राशि में। **मंगल** – कर्क राशि में, तारीख ३० के १।४७ रात से सिंह राशि में। **बुध** – मेष राशि में, तारीख ७ के ६।३७ रात से वृष राशि में, तारीख २४ के १२।३७ दिन से मिथुन राशि में। **गुरु** – मेष राशि में। **शुक्र** – कर्क राशि में। **शनि** – कुम्भ राशि में, तारीख १८ के ८।४७ दिन से वक्री। **राहु** – मेष राशि में। **केतु** – तुला राशि में।

कैलेण्डर

वार					
रवि (SUNDAY)	कृपया सुझाव भेजें – आपके इस पचांग को और अधिक उपयोगी बनाने के लिये आप अपने अमूल्य सुझाव हमें अवश्य भेजते रहें।	4 – स्नानदान पूर्णिमा, ज्येष्ठ शुक्ल १५	11 – बसोरा, शीतलाष्टमी, आषाढ कृष्ण ८	18 – हलहारिणी अमावस्या, स्ना.दा. अमावस ३०	25 – वैवस्वत पूजा, आषाढ शुक्ल ७
सोम (MONDAY)	**मूल** – ज्येष्ठा के ता. ३ को ६।१० रात अंत से ता. ५ के ४।२२ रात अंत तक फिर मूल के मूल ता. ६ के ३।१७ रात तक। रेवती के ता. १२ को ४।४७ शाम से ता. १३ के ३।२० दिन तक फिर अश्विनी के ता. १४ के ३।१५ दिन तक। आश्लेषा के ता. २१ को ११।३३ रात से ता. २३ के २।३० रात तक फिर मघा के ता. २३ के ६।२ रात अंत तक रहेंगे।	5 – आषाढ कृष्ण १	12 – पंचक, आषाढ कृष्ण ९	19 – गुप्त नवरात्रारम्भ, आषाढ शुक्ल १	26 – आषाढ शुक्ल ८
मंगल (TUESDAY)		6 – आषाढ कृष्ण २/३	13 – आषाढ कृष्ण १०	20 – भ. जगदीश रथयात्रा, आषाढ शुक्ल २	27 – भडली नवमी, आषाढ शुक्ल ९
बुध (WEDNESDAY)	**ऐच्छिक अवकाश** – ता. 2 बड़ा महादेव पूजन, ता. 20 रथयात्रा, ता. 24 रानी दुर्गावती ब. दि., ता. 28 ईद-उल-अदहा	7 – गणेश चतुर्थी व्रत, आषाढ कृष्ण ४	14 – योगिनी एकादशी व्रत, आषाढ कृष्ण ११	21 – आषाढ शुक्ल ३	28 – आशा दशमी, आषाढ शुक्ल १०
गुरु (THURSDAY)	1 – प्रदोष व्रत, ज्येष्ठ शुक्ल १२	8 – आषाढ कृष्ण ५	15 – प्रदोष व्रत, आषाढ कृष्ण १२	22 – विनायकी चतुर्थी व्रत, आषाढ शुक्ल ४	29 – देवशयनी एकादशी, आषाढ शुक्ल ११
शुक्र (FRIDAY)	2 – ज्येष्ठ शुक्ल १३	9 – आषाढ कृष्ण ६	16 – शिव चतुर्दशी व्रत, आषाढ कृष्ण १३	23 – आषाढ शुक्ल ५	30 – वामन द्वादशी, आषाढ शुक्ल १२
शनि (SATURDAY)	3 – पूर्णिमा व्रत, ज्येष्ठ शुक्ल १४	10 – पंचक, आषाढ कृष्ण ७	17 – आषाढ कृष्ण १४	24 – आषाढ शुक्ल ६	**जातक की जन्म प्रतिलिपि** – ये भाग लेने की अंतिम ता. 31 अगस्त है जिसमें भाग लेकर आप जातक बनने के साथ इनाम भी जीत सकते हैं। विस्तृत जानकारी अन्य बैक पेज पर देखें।

सूर्य उदय दिनांक 1 – 5:28 5 – 5:27 10 – 5:26 15 – 5:27 20 – 5:28 25 – 5:29

सूर्य अस्त दिनांक 1 – 6:47 5 – 6:48 10 – 6:50 15 – 6:50 20 – 6:52 25 – 6:53

याददाश्त

राशिफल

- **मेष** – मेहमान आगमन, यश, व्यर्थ तनाव
- **वृष** – कार्य में रुकावट, हर्ष, वाहन कष्ट
- **मिथुन** – पदोन्नति, यात्रा विचार, चिंता
- **कर्क** – सफलता, भवन लाभ, मित्र सुख
- **सिंह** – स्थानांतरण, स्वास्थ्य लाभ, यात्रा
- **कन्या** – मुकदमे में सफलता, मित्र मिलन
- **तुला** – यश वृद्धि, व्यर्थ तनाव, यात्रा
- **वृश्चिक** – भूमि-भवन लाभ, मित्र सुख
- **धनु** – रुके कार्य पूर्ण, वाहन सुख, चिंता
- **मकर** – व्यापार वृद्धि, सहयोग प्राप्ति
- **कुम्भ** – पुत्र सुख, रोग भय, वाहन कष्ट
- **मीन** – सफलता, पदोन्नति, मित्र सुख

शुभ मुहूर्त

विवाह – ता. 1, 3 से 7, 11, 12, 13, 22, 23, 25, 26, 27, 28 **मुण्डन** – ता. 8 **उपनयन** – ता. 5, 8 **नामकरण** – ता. 1, 8, 12, 14, 21, 28, 29 **अन्नप्राशन** – ता. 1, 8, 21, 28 **व्यापार** – ता. 12, 26

मुख्य जयंती, दिवस

- ता. 1 अंतर्राष्ट्रीय बाल सुरक्षा दिवस
- ता. 5 अंतर्राष्ट्रीय पर्यावरण दिवस
- ता. 14 अंतर्राष्ट्रीय रक्तदान दिवस
- ता. 16 सिपु सम्राट म. टाहरसिंह श. दि., संत नामदेव पुण्यतिथि
- ता. 18 झाँसी रानी लक्ष्मीबाई बलि. दिवस
- ता. 21 अंतर्राष्ट्रीय योग एवं संगीत दिवस
- ता. 24 रानी दुर्गावती बलिदान दिवस
- ता. 26 विश्व नशा निरोधक दिवस
- ता. 27 मधुमेह (डायबिटीज) जागृति दि.
- ता. 29 विठ्ठलवाडी महोत्सव, जबलपुर

सर्वार्थ सिद्धि योग – ता. ११ को ६।१ शाम से रात अंत तक। ता. १३ को ३।२० दिन से रात अंत तक। ता. १७ को सूर्योदय से ४।१२ शाम तक। ता. २४ को ७।३० प्रात से रात अंत तक। ता. ३० को १।२२ दिन से रात अंत तक। **अमृत सिद्धि योग** – ता. १३ को ३।२० दिन से रात अंत तक। ता. १७ को सूर्योदय से ४।१२ शाम तक। **त्रिपुष्कर योग** – ता. २० को सूर्योदय से ११।१५ दिन तक। तारीख २४ को ७।३० प्रात से ८ बजकर २८ मिनिट रात तक। **व्रत-त्यौहारों के विवाद एवं भ्रम** – आजकल व्रत-त्यौहारों में विवाद, भ्रम, नेट, सोशल मीडिया, 2-3 प्रकार की पचांग गणना एवं जल्दबाजी में निकाले गये प्रमित्र नामों के मिलते-जुलते पंचांगों आदि के कारण ज्यादा बढ़ गये हैं। आपके इस पचांग में विवादास्पद व्रत-त्यौहारों के बारे में निर्णय देने वाले शास्त्रों का गहन अध्ययन, सदा पचांग छापने के पूर्व ही कर लिया जाता है और सभी व्रत-त्यौहारों को शास्त्रानुसार ही आपके इस पचांग में छापा जाता है।

जून माह के मुख्य व्रत, त्यौहार

ता. 1 प्रदोष व्रत	ता. 18 हलहारिणी, स्ना.दा. अमावस
ता. 3 द.वट सावित्री, पूर्णिमा व्रत	ता. 19 चन्द्रदर्शन, गुप्त नवरात्रारम्भ
ता. 4 स्नानदान पूर्णिमा	ता. 20 भ. जगदीश रथयात्रा
ता. 7 गणेश चतुर्थी व्रत	ता. 22 विनायकी चतुर्थी व्रत
ता. 11 शीतलाष्टमी, बसोरा	ता. 25 वैवस्वत पूजा
ता. 14 योगिनी एकादशी व्रत	ता. 27 भड़ली नवमी, नवरात्र समाप्त
ता. 15 प्रदोष व्रत	ता. 28 आशा दशमी
ता. 16 शिव चतुर्दशी व्रत	ता. 29 देवशयनी/हरिशयनी एकादशी
ता. 17 श्राद्ध अमावस्या	ता. 30 वासुदेव, वामन द्वादशी

अपने मित्रों एवं रिश्तेदारों को भी यही पंचांग खरीदने की सलाह दीजिये।

मासफल – इस मास भारत के कुछ प्रांतों में उपद्रव जन्य स्थिति के साथ अशांति बनेगी। किसी विशिष्ट व्यक्ति के लिये समय अच्छा नहीं है। सोना, धातुओं, खाद्य सामग्री आदि में सामान्य तेजी रहेगी। देश के कुछ हिस्सों में भारी और कुछ हिस्सों में कम वर्षा एवं कुछेक क्षेत्रों में बाढ़ की स्थिति बनेगी। उमस भरी गर्मी से परेशानी बढ़ेगी। वाहनादि दुर्घटना का प्रकोप तेजी से बढ़ेगा। **सूर्य नक्षत्र प्रवेश** – रोहिणी में। ता. ८ को १।७ रात से मृगशिरा में। ता. २२ को १।२४ रात से आर्द्रा में (मंडा-स्त्री-स्त्री, चंद्र-चंद्र, वाहन-मेष, अल्पवृष्टि)। **व्यतिपात योग** – तारीख २४ को ३।४० रात से तारीख २५ के ३।२६ रात तक। **पुष्य नक्षत्र** – ता. २० को ६।२६ रात से ता. २१ के ११।२३ रात तक। **दिगम्बर जैन पर्व** – ता. १७ रोहिणी व्रत। ता. २६ अष्टान्हिका व्रत प्रारम्भ। **श्वेताम्बर जैन पर्व** – तारीख ३ एवं १७ पाक्षिक प्रतिक्रमण। तारीख २९ चौमासी अट्ठाई प्रारम्भ।

लाला रामस्वरूप रामनारायन पंचांग

90 वर्षों से प्रकाशित

प्रहलाद अग्रवाल जबलपुर

वायु परीक्षा

ता. 2 को सूर्यास्त बाद (प्रदोषकाल में) यदि हवा का रुख पूर्व में हो तो उत्तम वर्षा। आग्नेय में हो तो कम वर्षा। दक्षिण में हो तो अल्प वर्षा। नैऋत्य में अनावृष्टि, दुर्भिक्ष। पश्चिम में हो तो महावृष्टि। वायव्य में हो तो वायु की तीव्रता। उत्तर में हो तो अतिवृष्टि। ईशान में हो तो उत्तम वर्षा होगी।

ता. 23 लोकमान्य तिलक जयंती

मेरिज है | उत्तर | वर्षा है

दिशा ज्ञान चक्र

ता.23 चंद्रशेखर आजाद जयंती

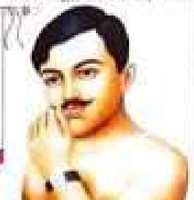

इस चेतावनी को अवश्य पढ़ें

नवम्बर तक डेंगू, मलेरिया, चिकुनगुनिया बुखार का प्रकोप अधिक रहता है जो मच्छर के काटने से ही होता है। बच्चों को कोचिंग, स्कूल, ट्यूशन, प्ले-ग्राउण्ड, सिनेमा या सार्वजनिक स्थान आदि में भेजने के पूर्व मच्छर रोधी क्रीम या नीम-नारियल तेल मिक्स कर उनके खुले अंगों पर लगाकर ही भेजें। विस्तृत जानकारी पिछले पृष्ठों पर पढ़ें।

''कर्जा'' आपको लखपति नहीं कर्जापति ही बनाता है, जब तक आप कर्जापति हैं तब तक दिखावे की प्रतिस्पर्धा में शामिल न होने में ही परिवार की भलाई है।

भद्रास्थिति – ता. २ को ७।८ रात से ता. ३ के ६।१२ प्रात: तक। ता. ५ को ११।३३ रात से ता. ६ के १०।१९ दिन तक। ता. ८ को ३।७ रात से ता. ९ के २।४ दिन तक। ता. १२ को ६।१३ दिन से ८।४१ रात तक। ता. १५ को ८।२३ रात से ता. १६ के ८।४१ दिन तक। ता. २१ को ५।१६ शाम से ता. २२ के ६।१३ प्रात: तक। ता. २५ को ६।३६ दिन से १०।६ रात तक। ता. २८ को ८।४३ रात से ता. २९ के ८।१९ दिन तक। ता. ३१ को ३।४८ रात से भद्रा प्रारम्भ होगी। बिना जरूरत के आसानी से मिल रहा लोन भी न लें।

गुरु, शुक्र तारा – गुरु पूर्व दिशा में उदित और शुक्र पश्चिम दिशा में उदित।

पंचक – तारीख ६ को ६।११ शाम से तारीख १० के ११।५४ रात तक।

विक्रम संवत् 2080 | वीर निर्वाण सं. 2549

रामनारायन

JULY **2023**

सूर्य उत्तरायन, ता.18 से दक्षिणायन, वर्षा ऋतु | ईस्वी सन 2023 | शंकराचार्य संवत् 2530

चन्द्रस्थिति – वृश्चिक का। ता. २ को १२।२७ दिन से धनु का। ता. ४ को ३।४७ दिन से मकर का। ता. ६ को ६।११ शाम से कुम्भ का। ता. ८ को ८।३६ रात से मीन का। ता. १० को ११।५४ रात से मेष का। ता. १२ को ५ बजे रात अंत से वृष का। ता. १५ को १२।२६ दिन से मिथुन का। ता. १७ को १०।१४ रात से कर्क का। ता. २० को ६।४५ दिन से सिंह का। ता. २२ को ८।२२ रात से कन्या का। ता. २५ को ७।२५ प्रात: से तुला का। ता. २७ को ३।७ दिन से वृश्चिक का। ता. २९ को ८।२८ रात से धनु का। ता. ३१ को ११।५२ रात से मकर का चन्द्रमा रहेगा। पिछले पृष्ठों को अवश्य पढ़ें।

उदयकालिक लग्न – ता. १ से १७ तक मिथुन लग्न, ता. १८ से कर्क लग्न।

ग्रहों के राशिचक्र तारीख १ उदयकाल में

हिजरी सन् 1444/45

जिलहेज/मोहर्रम मास (1)

तारीख 6 गदीर-ए-खुम, ता. 19 अव्वल मोहर्रम, ता. 20 से मोहर्रम मास प्रारम्भ, ता. 28 योम-ए-आशुरा, ता. 29 यौमे आशुरा (ताजिया), ता. 31 चेहल्लुम

7

आषाढ़/श्रावण/अधिमास

जुलाई

रा.शक संवत् 1945

रा. आषाढ़ 10 से रा. श्रावण 9 तक (ता. 23 से राष्ट्रीय श्रावण मास प्रारम्भ)

बंगला सन् 1430

बं. आषाढ़, ता.18 से श्रावण मास प्रारम्भ

ग्रहों के राशिचक्र ता. १८ उदयकाल में

दूध हिसाब / तिथि समय

ता.	सुबह	शाम	पूर्णिमा का कपड़ा	तिथि	समय घंटे तक
1				१३	८।४१ रात तक
2				१४	७।८ रात तक
3				१५	५।१४ शाम तक
4				१	३।६ दिन तक
5				२	१२।४६ दिन तक
6				३	१०।१९ दिन तक
7				४	७।५० प्रात: तक
				५	५।२४ रा.अं. तक
8				६	३।७ रात तक
9				७	१।१ रात तक
10				८	११।१३ रात तक
11				९	९।४४ रात तक
12				१०	८।४१ रात तक
13				११	८।५ रात तक
14				१२	७।५६ रात तक
15				१३	८।१३ रात तक
16				१४	९।१८ रात तक
17				३०	१०।५६ रात तक
18				१	१२।२१ रात तक
19				२	२।१७ रात तक
20				३	४।१८ रा.अं. तक
21				४	दिन-रात
22				४	६।१३ प्रात: तक
23				५	७।५२ प्रात: तक
24				६	८।१८ दिन तक
25				७	९।४९ दिन तक
26				८	१०।१८ दिन तक
27				९	१०।१७ दिन तक
28				१०	१०।२७ दिन तक
29				११	८।१९ दिन तक
30				१२	६।१८ प्रात: तक
				१३	४।२७ रा.अं. तक
31				१४	२।४८ रात तक
योग					

रवि (SUNDAY)	30 प्रदोष व्रत, अधि. श्रा. शु. १२/१३	2 आषाढ़ शुक्ल १४	9 शीतला सप्तमी, श्रावण कृष्ण ७	16 श्रावण कृष्ण १४	23 लोकमान्य तिलक ज., अधि. श्रावण शु. ५
सोम (MONDAY)	31 अधि. श्रावण शु. १४	3 गुरु पूर्णिमा, स्ना.दा.व्रत पूर्णिमा १५	10 पंचक ११।५४ रात तक, श्रावण कृष्ण ८	17 सोमवती अमावस्या, हरियाली अमावस्या, स्ना.दा.श्रा. अमावस्या ३०	24 अधि. श्रावण शु. ६
मंगल (TUESDAY)	अधिमास	4 मंगला गौरी व्रत, श्रावण कृष्ण १	11 मंगला गौरी व्रत, श्रावण कृष्ण ९	18 मंगला गौरी व्रत, अधिमास श्रावण शु. १	25 मंगला गौरी व्रत, अधि. श्रावण शु. ७
बुध (WEDNESDAY)	मूल	5 श्रावण कृष्ण २	12 श्रावण कृष्ण १०	19 अधि. श्रावण शुक्ल २	26 अधि. श्रावण शु. ८
गुरु (THURSDAY)		6 गणेश चतुर्थी व्रत ३	13 कामिका एकादशी, श्रावण कृष्ण ११	20 अधि. श्रा. शु. ३	27 अधि. श्रावण शु. ९
शुक्र (FRIDAY)	ऐच्छिक अवकाश	7 मौना पंचमी, श्रावण कृष्ण ४/५	14 श्रावण कृष्ण १२	21 विनायकी चतुर्थी व्रत, अधि. श्रावण शु. ४	28 अधि. श्रावण शु. १०
शनि (SATURDAY)	1 विजया पार्वती व्रत, प्रदोष व्रत १३	8 श्रावण कृष्ण ६	15 शिव चतुर्दशी व्रत, प्रदोष व्रत १३	22 अधि. श्रावण शु. ४	29 कमला एकादशी, अधि. श्रावण शु. ११

अधिमास – १८ जुलाई से प्रारंभ हो रहा है। इसे ही पुरुषोत्तम मास भी कहते हैं। शुक्ल प्रतिपदा से अमावस्या तक सूर्य संक्रांति जिस मास में नहीं आती है वह मास अधिमास कहलाता है।

मूल – ज्येष्ठा के ता. १ को १।० दिन से ता. ३ के ११।१८ दिन तक फिर मूल के मूल ता. ३ के ११।२६ दिन तक। रेवती के ता. ८ को ११।४४ रात से ता. १० के ११।४४ रात तक फिर अश्विनी के ता. ११ के ११।१३ रात तक। आश्लेषा के ता. १९ को ७।१० प्रात: से ता. २० के ६।४५ दिन तक फिर मघा के तारीख २१ के १२।२२ दिन तक। ज्येष्ठा के तारीख २८ को ६।१३ रात से तारीख २९ के ८।२८ रात तक फिर मूल के मूल तारीख ३० के ७।३१ रात तक रहेंगे।

ऐच्छिक अवकाश – ता. 3 गुरु पूर्णिमा, ता. 6 गदीर-ए-खुम, ता. 28 योम-ए-आशुरा। नोट – सभी अवकाश राजपत्रित हैं, वर्ष में कुल तीन ऐच्छिक अवकाश लिये जा सकते हैं।

यादादाश्त

राशिफल

- **मेष** – व्यर्थ तनाव, खर्च, वाहन लाभ
- **वृष** – नया विचार, यात्रा, व्यर्थ चिंता
- **मिथुन** – जिम्मेदारी बढ़ेगी, रोग कष्ट
- **कर्क** – अतिथि आगमन, चोटादि भय
- **सिंह** – धन प्राप्ति, वाहन लाभ, मित्र सुख
- **कन्या** – सफलता, संतान सुख, विवाद
- **तुला** – पुराने कार्य पूर्ण, स्वास्थ्य लाभ
- **वृश्चिक** – शुभ समाचार, यात्रा कष्ट
- **धनु** – वाहन कष्ट, मित्र सुख, धन लाभ
- **मकर** – सफलता, मित्र मिलन, संतान सुख
- **कुंभ** – भवन लाभ, स्वास्थ्य कष्ट, तनाव
- **मीन** – हानि, व्यर्थ तनाव, सफलता

शुभ मुहूर्त

नामकरण – तारीख 5, 19, 24
अन्नप्राशन – ता. 5, 6, 7, 14, 19, 28
जीर्ण गृहप्रवेश – ता. 13, 14 **व्यापार** – तारीख 3, 9, 10, 14, 23, 24, 28

महाकाल सवारी, उज्जैन
तारीख 10, 17, 24, 31

मुख्य जयंती, दिवस

- ता. 1 डॉक्टर्स एवं सी.ए. दिवस
- ता. 6 पं. श्यामा प्रसाद मुखर्जी जयंती
- ता. 7 प्राणनाथ परमधाम वास दिवस
- ता. 11 विश्व जनसंख्या दिवस
- ता. 17 होली, स्वामी अखण्डानंद जयंती
- ता. 19 डॉ. खूबचंद बघेल ज. (छ.ग.)
- ता. 23 चंद्रशेखर आजाद जयंती
- ता. 27 डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम पु.ति.
- ता. 31 मुंशी प्रेमचंद जयंती, उधमसिंह शहीदी दिवस, मोहम्मद रफी पुण्यतिथि

ग्रहस्थिति

सूर्य – मिथुन में, ता. १७ के ४।२२ शाम से कर्क में। **मंगल** – सिंह राशि में। **बुध** – मिथुन में, ता. ८ के ११।३७ दिन से कर्क में, ता. २५ के ३।१७ रात से सिंह में। **गुरु** – मेष में। **शुक्र** – कर्क में, ता. ६ के ५।४७ शाम से सिंह में, तारीख २३ के ६।४६ शाम से वक्री। **शनि** – कुम्भ में (वक्री)। **राहु** – मेष में। **केतु** – तुला में।

सूर्य उदय दिनांक	1 – 5:33	5 – 5:34	10 – 5:36	15 – 5:38	20 – 5:39	25 – 5:40
सूर्य अस्त दिनांक	1 – 6:56	5 – 6:55	10 – 6:55	15 – 6:54	20 – 6:54	25 – 6:52

सर्वार्थ सिद्धि योग – ता. २ को १२।२७ दिन से रात अंत तक। ता. ६ को सूर्योदय से १२।४५ रात तक। ता. ११ को सूर्योदय से ११।१३ रात तक। तारीख २३ को सूर्योदय से रात अंत तक। तारीख २७ को ६।१२ रात से तारीख २८ के ६।१३ रात तक। ता. ३० को सूर्योदय से ७ बजकर ३१ मिनिट रात तक। **अमृत सिद्धि योग** – तारीख ११ को सूर्योदय से ११।१३ रात तक। तारीख २३ को ४।१६ शाम से रात अंत तक। **द्विपुष्कर योग** – तारीख २५ को सूर्योदय से ६।३६ दिन तक। **त्रिपुष्कर योग** – तारीख ४ को ३।६ दिन से रात अंत तक।

पाठकों से निवेदन – यदि आपके मित्रों या रिश्तेदारों ने इस पंचांग के स्थान पर नकली या मिलते-जुलते नाम का पंचांग धोखे से खरीद लिया है तो उन्हें इस 'रामनारायन' पंचांग की खूबियों एवं पहचान से परिचित करायें ताकि अगली बार वे धोखा न खायें और व्रत त्यौहार की शास्त्र सम्मत सही जानकारी वाला ही पंचांग खरीदें। ध्यान रखें नकली पंचांग वाले ''असली'' लिखकर बेचते हैं।

卐 जुलाई माह के मुख्य व्रत, त्यौहार 卐

- ता. 1 प्रदोष व्रत, मंगला तेरस, विजया पार्वती व्रत
- ता. 3 स्नानदान व्रत, गुरु पूर्णिमा
- ता. 6 गणेश चतुर्थी व्रत
- ता. 7 मौना पंचमी, नाग मरुस्थले
- ता. 9 शीतला सप्तमी
- ता. 13 कामिका एकादशी व्रत
- ता. 15 प्रदोष व्रत, शिव चतुर्दशी व्रत
- ता. 17 होली, सोमवती, हरियाली, स्नानदान श्राद्ध अमावस्या
- ता. 18 पुरुषोत्तम मास प्रारम्भ
- ता. 19 चन्द्रदर्शन
- ता. 21 विनायकी चतुर्थी व्रत
- ता. 29 कमला एकादशी
- ता. 30 प्रदोष व्रत

दिगम्बर जैन पर्व

- ता. 2, 9, 16, 23, 30 रवि व्रत
- ता. 3 अष्टान्हिका व्रत समाप्त
- ता. 4 वीर शासन जयंती
- ता. 14 रोहिणी व्रत

मासफल – इस मास केन्द्र सरकार जनहित के कार्यों पर विशेष ध्यान देगी। कहीं साम्प्रदायिक तनाव भी देखने को मिल सकता है। शेयर, धातुओं, खाद्य सामग्री आदि में अचानक तेजी-मंदी के झटके आयेंगे, मासांत में कागज में मंदी परिलक्षित होगी। देश के कई क्षेत्रों में वर्षा-बिजली का ताण्डव दिखेगा।

सूर्य नक्षत्र भ्रमण – सूर्य आर्द्रा नक्षत्र में। ता. ६ को ३।२० रात से पुनर्वसु नक्षत्र में (संज्ञा-स्त्री-पुरुष, चंद्र-चंद्र, वाहन-खर, वर्षा श्रेष्ठ)। ता. २० को ४।३६ रात अंत से पुष्य में (संज्ञा-स्त्री-स्त्री, चंद्र-चंद्र, वाहन-मण्डूक, अल्पवृष्टि)।

व्यतिपात योग – ता. २० को ११।११ दिन से ता. २१ के ११।४१ दिन तक।

पुष्य नक्षत्र – ता. १७ को ४।४६ रात अंत से ता. १९ के ७।१० प्रात: तक।

श्वेताम्बर जैन पर्व – ता. २ चातुर्मासिक प्रतिक्रमण। ता. ३ चातुर्मास प्रारम्भ, गुरु पूर्णिमा। ता. ७ दोड़ मासीधर। ता. १६ एवं ३१ पाक्षिक प्रतिक्रमण। ता. १७ हरियाली अमावस्या। डेंगू से बचाव की जानकारी पिछले पृष्ठों पर पढ़ें।

90 वर्षों से प्रकाशित

लाला रामस्वरूप रामनारायन पचांग

प्रहलाद अग्रवाल जबलपुर

तेज बुखार में जान बचाएं

100°F से अधिक बुखार बढ़ने पर चिकित्सीय सलाह से पैरासिटामाल दवा का सेवन करें। [illegible]

ता. 13 वीर दुर्गादास जयंती | ता. 15 स्वतंत्रता दिवस | ता. 30 रक्षाबन्धन (राखी)

रक्षाबन्धन मुहूर्त

ता. 30 के 10.5 दिन से ता. 31 के 7.37 प्रात: तक पूर्णिमा है। ता. 31 की पूर्णिमा सूर्योदय के बाद 3 मुहूर्त (2 घंटा 24 मिनिट) से कम है जो रक्षाबन्धन में अपनी से मान्य नहीं है इसलिये ता. 30 की पूर्णिमा में भद्रा बाद (8.51 रात के बाद) रक्षाबन्धन होगा [illegible]

नफरत बुरी है न पालो इसे, दिलों में खलिस है तो हटा लो उसे, न तेरा न मेरा न इसका न उसका, हम सबका वतन है संभालो इसे।

[illegible]

विक्रम संवत् 2080 | वीर निर्वाण सं. 2549

रामनारायन

AUGUST 2023

8

अधिमास/श्रावण/भाद्रपद मास (6)

अगस्त

हिजरी सन् 1445 — मोहर्रम/सफर मास (2)

रा. शक संवत् 1945 — श्रावण 10 से भाद्रपद 9 तक

[illegible]

रवि	जानकारी प्रतियोगिता वर्ष 2023 में भाग लेने की अंतिम तारीख है 31 अगस्त 2023	6 — अधि. श्रावण कृ. ५	13 — अधि. श्रावण कृ. १२	20 — श्रावण शुक्ल ४	27 — श्रावण शुक्ल ११
सोम	ऐच्छिक अवकाश [illegible] ता. 21 नागपंचमी, ता. 29 ओणम	7 — अधि. श्रावण कृ. ६	14 — अधि. श्रावण कृ. १३	21 — श्रावण शुक्ल ५	28 — श्रावण शुक्ल १२
मंगल	1 — अधि. श्रा. पूर्णिमा १५	8 — अधि. श्रावण कृ. ७	15 — अधि. श्रावण कृ. १४	22 — श्रावण शुक्ल ६	29 — श्रावण शुक्ल १३
बुध	2 — अधि. श्रावण कृष्ण १	9 — अधि. श्रावण कृ. ८	16 — अधि. श्रा. अमावस ३०	23 — श्रावण शुक्ल ७	30 — श्रा. पूर्णिमा १४
गुरु	3 — अधि. श्रावण कृ. २	10 — अधि. श्रावण कृ. ९	17 — श्रावण शुक्ल १	24 — श्रावण शुक्ल ८	31 — श्रा. पूर्णिमा १५/१
शुक्र	4 — अधि. श्रावण कृ. ३	11 — अधि. श्रावण कृ. १०	18 — श्रावण शुक्ल २	25 — श्रावण शुक्ल ९	मूल [illegible]
शनि	5 — अधि. श्रावण कृ. ४	12 — अधि. श्रावण कृ. ११	19 — श्रावण शुक्ल ३	26 — श्रावण शुक्ल १०	[illegible]

दूध हिसाब | तिथि समय (1–31) [illegible]

याददाश्त

राशिफल

मेष – खर्च अधिक, वाद विवाद, तनाव
वृष – मित्र लाभ, स्वास्थ्य चिंता, सफलता
मिथुन – संतान सुख, धन लाभ, यात्रा
कर्क – नया कार्य, विवाद, प्रतिष्ठा वृद्धि
सिंह – शुभ समाचार, उत्साह वृद्धि, खर्च
कन्या – हर्ष, आमदनी वृद्धि, रोग कष्ट
तुला – धन लाभ, चोट भय, कष्ट
वृश्चिक – तीर्थयात्रा, संतान सुख, भय
धनु – स्वास्थ्य चिंता, यात्रा, वाहन कष्ट
मकर – पदोन्नति, मित्र सुख, वाहन लाभ
कुम्भ – कार्य में सफलता, व्यर्थ तनाव
मीन – धन लाभ, व्यर्थ खर्च, यात्रा

शुभ मुहूर्त

नामकरण – ता. 2, 3, 7, 10, 14, 28, 31 अन्नप्राशन – तारीख 3, 4, 10
जीर्ण गृहप्रवेश – तारीख 28
मुण्डन – तारीख 6, 10, 11, 28

महाकाल सवारी, उज्जैन — तारीख 7, 14, 21, 28

मुख्य जयंती, दिवस

ता. 4 गायक किशोर कुमार जयंती
ता. 9 अंग्रेजो भारत छोड़ो आंदोलन दि.
ता. 14 पुलिस सिंह पटेल शहीद दिवस, विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस
ता. 15 योगी अरविंद जयंती
ता. 16 रानी अवंतीबाई लोधी जयंती, पं. अटलबिहारी वाजपेयी पु. ति.
ता. 17 मदनलाल धींगरा शहीद दिवस
ता. 19 विश्व छायांकन दिवस
ता. 20 सद्भावना दि., राजीव गांधी ज.
ता. 21 कवि सुभद्रा कुमारी चौहान जयंती
ता. 29 मेजर ध्यानचंद ज./रा. खेल दिवस

ग्रहस्थिति

सूर्य – कर्क राशि में, ता. १७ के [illegible] रात से सिंह राशि में। [illegible] शनि – कुम्भ राशि में (वक्री)। राहु – मेष राशि में। केतु – तुला राशि में।

सूर्य उदय दिनांक 1 – 5:44 | 5 – 5:46 | 10 – 5:49 | 15 – 5:5[illegible] | 20 – 5:53 | 25 – 5:56
सूर्य अस्त दिनांक 1 – 6:48 | 5 – 6:46 | 10 – 6:43 | 15 – 6:40 | 20 – 6:36 | 25 – 6:33

सर्वार्थ सिद्धि योग – [illegible]

अगस्त माह के मुख्य व्रत, त्यौहार

ता. 1 स्नानदान व्रत पूर्णिमा
ता. 4 गणेश चतुर्थी व्रत
ता. 12 कमला एकादशी व्रत
ता. 13 प्रदोष व्रत
ता. 14 शिव चतुर्दशी व्रत
ता. 16 स्नानदान श्राद्ध अमावस्या
ता. 18 चन्द्रदर्शन, सिंधारा दोज
ता. 19 हरियाली तीज, मधुश्रवा व्रत स्वर्ण गौरी व्रत, झूला प्रारंभ
ता. 20 दूर्वा/विनायकी चतुर्थी व्रत
ता. 21 नागपंचमी
ता. 27 पुत्रदा (पवित्रा) एकादशी
ता. 28 प्रदोष व्रत
ता. 30 रक्षाबन्धन, गायत्री पूजन, श्रावणी व्रत पूर्णिमा
ता. 31 स्नानदान पूर्णिमा, कजलियाँ

श्वेताम्बर जैन पर्व

ता. 15 पाक्षिक प्रतिक्रमण
ता. 21 [illegible]
ता. 30 पाक्षिक प्रतिक्रमण

[illegible]

70 71 72 डेंगू, चिकुनगुनिया, मलेरिया से ग्रसित होने से बचने का संसार में एक ही उपाय है, मच्छर को किसी भी हाल में दिन में भी काटने न दें। 70 71 72

लाला रामस्वरूप रामनारायन पंचांग

प्रहलाद अग्रवाल जबलपुर

जन्माष्टमी व्रत

शास्त्रानुसार जन्माष्टमी व्रत सप्तमी युक्त अष्टमी तिथि में न करके नवमी युक्त अष्टमी तिथि में किया जाना चाहिये तारीख 7 को उदय व्यापिनी रोहिणी नक्षत्र युक्त अष्टमी तिथि है अतः तारीख 7 को व्रत और 7:40 शाम पश्चात व्रत की पारणा अष्टमी तिथि समाप्ति पर शास्त्र सम्मत है।

ता. 7 भ. श्रीकृष्ण प्राकट्योत्सव

ता. 18 राजा शंकरशाह, रघुनाथशाह बलिदान दिवस

ता. 28 भ. गणेशोत्सव समापन

बीमार होने से बचें

इस समय निमोनिया, स्वाइन फ्लू, सर्दी, जुखाम, टाइफाईड, गला खराब, कोविड, वायरल बुखार एवं मच्छर के काटने से होने वाला डेंगू, मलेरिया भी फैलता है इसलिये मच्छर के काटने से बचने के साथ-साथ दूषित हवा, पानी, बाहर की कच्ची खाद्य सामग्री सेवन से एवं ठंडी हवा से बचना है।

रिश्तों में कटुता न आने दें, रिश्तों में कटुता आते ही गलत फहमियाँ भी पनपने लगती हैं।

भद्रास्थिति – ता. २ को १।५२ दिन से १२।४६ रात तक। ता. ५ को ८।२२ रात से ता. ६ के ८।७ दिन तक। ता. ९ को ८।३० दिन से ८।५६ रात तक। ता. १२ को १।२८ रात से ता. १३ के ३ बजे दिन तक। ता. १८ को १०।१५ रात से ता. १९ के १०।२७ दिन तक। ता. २२ को ८।४४ दिन से ८।१ रात तक। ता. २५ को ३।१७ दिन से १।३ रात तक। ता. २८ को ५ बजकर ५६ मिनिट शाम से ४ बजकर ४८ मिनिट रात अंत तक भद्रा रहेगी।

गुरु, शुक्र तारा – पूर्व दिशा में उदित। पीले के पुष्पों का भी आयोजन करें।

पंचक – पिछले मास से प्रारंभ ता. ३ के ३।४६ दिन तक फिर ता. २६ के ६ बजकर २८ मिनिट शाम से ता. ३० के ११ बजकर ४१ मिनिट रात तक।

विक्रम संवत् 2080 | वीर निर्वाण सं. 2549

रामनारायन

SEPTEMBER **2023**

सूर्य दक्षिणायन, वर्षा/शरद ऋतु | ईस्वी सन् | शंकराचार्य संवत् 2530

चन्द्रस्थिति – कुम्भ का। ता. १ को १२।४७ दिन से मीन का। ता. ३ को ३।४६ दिन से मेष का। ता. ५ को ८।२२ रात से वृष का। ता. ७ को ३।२३ रात से मिथुन का। ता. १० को १२।४३ दिन से कर्क का। ता. १२ को ११।४७ रात से सिंह का। ता. १५ को ११।४२ दिन से कन्या का। ता. १७ को १०।११ रात से तुला का। ता. २० को ६।२० प्रात. से वृश्चिक का। ता. २२ को १२।१८ दिन से धनु का। ता. २४ को ३।५३ दिन से मकर का। ता. २६ को ६।२८ शाम से कुम्भ का। ता. २८ को ८।४६ रात से मीन का। ता. ३० को ११।४१ रात से मेष का चन्द्रमा रहेगा। फलदार पेड़ अवश्य लगायें।

उदयकालिक लग्न – ता. १ से १७ तक सिंह लग्न, ता. १८ से कन्या लग्न।

ग्रहों के राशिचक्र तारीख १ उदयकाल में

हिजरी सन् 1445 – सफर/रबि उलावल माह (3)

9 | भाद्रपद/आश्विन (क्वांर) मास (7)

सितम्बर

रा.शक संवत् 1945 – रा.भाद्रपद 10 से रा.आश्विन 8 तक (ता. 23 से राष्ट्रीय आश्विन मास प्रारम्भ)

बंगला सन 1430 – बं. भाद्रपद, ता. 18 से आश्विन मास प्रा.

ग्रहों के राशिचक्र ता. १८ उदयकाल में

बुध हिसाब / तिथि समय

ता.	सुबह	शाम	तिथि	समय बजे तक
1			२	२।५६ रात तक
2			३	१२।४६ रात तक
3			४	१०।४२ रात तक
4			५	६।३० रात तक
5			६	८।२२ रात तक
6			७	७।५७ रात तक
7			८	[illegible]
8			९	८।३
9			१०	८।५६ रात तक
10			११	१०।७ रात तक
11			१२	१२ बजे रात तक
12			१३	१।२८ रात तक
13			१४	३।१ रात तक
14			३०	दिन-रात
15			३०	५।१ प्रात तक
16			१	७।४२ प्रात तक
17			२	९।७ दिन तक
18			३	११।९ दिन तक
19			४	१०।२७ दिन तक
20			५	१०।२२ दिन तक
21			६	९।४६ दिन तक
22			७	८।४४ दिन तक
23			८	७।१७ दिन तक
24			१०	३।२१ रात तक
25			११	१।१३ रात तक
26			१२	१०।४५ रात तक
27			१३	१०।१८ रात तक
28			१४	६।४९ शाम तक
29			१५	३।२७ दिन तक
30			१	१२।२१ दिन तक
योग				

पंचांग विक्रय हेतु – जिन नगरों में यह पंचांग उपलब्ध नहीं है, उन नगरों में पंचांग विक्रेता नियुक्त करना है। पंचांग विक्रेता सम्पर्क करें 08871944563

पुष्य नक्षत्र – तारीख १० को ७।११ रात से तारीख ११ के ९।२७ रात तक।

मूल – रेवती के ता. २ को ... से ता. ३ के ३।४६ दिन तक फिर अश्विनी के ता. ४ के १२।... दिन तक। आश्लेषा के ता. ११ को ७।... रात से ता. १३ के ११।५७ रात तक फिर मघा के ता. १३ के ... रात तक। ज्येष्ठा के ता. २१ को ११।... दिन से ता. २२ के १२।... दिन तक फिर मूल के मूल ता. २३ के ११।... दिन तक। रेवती के ता. २९ को १२।... रात से ता. ३० के ११।४१ रात तक फिर अश्विनी के प्रारम्भ होगी।

ऐच्छिक अवकाश (राज्य शासन)
ता. 5 बलदाऊ जयंती
ता. 18 राजा शंकरशाह, रघुनाथशाह ब. दि.
ता. 19 भ. गणेशोत्सव प्रा.
ता. 22 नवाखाई
ता. 25 डोल ग्यारस

वार					
रवि (SUNDAY)		3 – बहुला चतुर्थी, गणेश चतुर्थी व्रत ४	10 – अजा एकादशी ११	17 – विश्वकर्मा पूजा, बाबू दोज २	24 – तेजा दशमी, भाद्रपद शुक्ल १०
सोम (MONDAY)		4 – भाई भिजा, गोगा पंचमी ५	11 – ओमद्वास, गोवत्स द्वादशी १२	18 – हरितालिका तीज व्रत, भाद्रपद शुक्ल ३	25 – डोल ग्यारस, जलझूलनी एकादशी ११
मंगल (TUESDAY)		5 – हरछठ व्रत, हलषष्ठी व्रत ६	12 – प्रदोष व्रत, भाद्रपद कृष्ण १३	19 – ऋषि पंचमी, भाद्रपद शुक्ल ४	26 – वामन द्वादशी, भाद्रपद शुक्ल १२
बुध (WEDNESDAY)		6 – भाद्रपद कृष्ण ७	13 – शिव चतुर्दशी व्रत, भाद्रपद कृष्ण १४	20 – भाद्रपद शुक्ल ५	27 – प्रदोष व्रत, भाद्रपद शुक्ल १३
गुरु (THURSDAY)		7 – जन्माष्टमी व्रत, भाद्रपद कृष्ण ८	14 – कुशग्रहणी अमावस, स्ना.दा.श्रा.अमावस ३०	21 – संतान साते, मोरवाई छठ ६	28 – अनंत चतुर्दशी १४
शुक्र (FRIDAY)	1 – पंचक, भाद्रपद कृष्ण २	8 – गोगा नवमी, भाद्रपद कृष्ण ९	15 – तान्हा पोला, स्नानदान अमावस्या ३०	22 – दूर्वाष्टमी, राधाष्टमी	29 – स्ना.दा.व्रत पूर्णिमा १५
शनि (SATURDAY)	2 – सतवा तीज, कजरी तीज ३	9 – भाद्रपद कृष्ण १०	16 – भाद्रपद शुक्ल १	23 – भाद्रपद शुक्ल ८/९	30 – प्रतिपदा श्राद्ध, आश्विन कृष्ण १

याददाश्त

राशिफल

मेष – दुस्साध्य बाधा, सफलता, रोग भय
वृष – सभी कार्य में सफलता, वाहन लाभ
मिथुन – मानसिक शांति, सहयोग प्राप्ति
कर्क – सफलता, भूमि लाभ, वाहन कष्ट
सिंह – भवन लाभ, स्वास्थ्य परेशानी
कन्या – सभी कार्य पूर्ण, वाहन सुख, यात्रा
तुला – संतान सुख, मित्र मिलन, हानि
वृश्चिक – स्थानांतरण, उन्नति, धन लाभ
धनु – लेनदेन में धोखा, नया कार्य प्रारंभ
मकर – शुभ समाचार, मित्र मिलन, यात्रा
कुंभ – शुभ संकेत, मतभेद, व्यर्थ खर्च
मीन – भूमि लाभ, वाहन सुख, व्यर्थ भय

शुभ मुहूर्त

नामकरण – ता. 4, 6, 21, 25, 27
अन्नप्राशन – ता. 1, 6, 21, 27
व्यापार – ता. 2, 7, 11, 21, 23

मुख्य जयंती, दिवस

ता. 5 डॉ. राधाकृष्णन ज., शिक्षक दि. श्री धरणीधर जयंती (धाकड़ समाज)
ता. 7 महर्षि च्यवन, संत आजेश्वर जयंती
ता. 8 माँ बेलावली पर्व (ईसाई समाज)
ता. 13 स्वामी ब्रह्मानंद लोधी निर्वाण दि.
ता. 14 राष्ट्रीय हिन्दी दिवस
ता. 15 मोहरवार सेना पाण्डुर्ना (छिंदवाड़ा), इं.मोक्षगुंडम विश्वेश्वरैया जयंती
ता. 18 गुरु रामदास पुण्यतिथि
ता. 25 पं. दीनदयाल उपाध्याय जयंती
ता. 27 विश्व पर्यटन दिवस
ता. 28 लाला मंगोलाल जयंती, सद्गुरु धनीदेव परमधाम वास दि.
ता. 29 गुरु अमरदास पुण्यतिथि, विश्व हृदय दिवस

ग्रहस्थिति

सूर्य – सिंह राशि में, ता. १७ के ४।४९ रात अंत से कन्या में। **मंगल** – कन्या राशि में। **बुध** – सिंह राशि में (वक्री), ता. १६ के ३ बजकर ७ मिनिट दिन से मार्गी। **गुरु** – मेष राशि में, तारीख ४ के ४ बजकर ६ मिनिट रात अंत से वक्री। **शुक्र** – कर्क राशि में (वक्री), तारीख ४ के ६ बजकर ६ मिनिट रात से मार्गी। **शनि** – कुम्भ राशि में (वक्री)। **राहु** – मेष राशि में। **केतु** – तुला राशि में।

सूर्य उदय दिनांक	1 – 5:56	5 – 5:57	10 – 5:58	15 – 6:00	20 – 6:01	25 – 6:04
सूर्य अस्त दिनांक	1 – 6:24	5 – 6:22	10 – 6:15	15 – 6:11	20 – 6:08	25 – 6:03

सर्वार्थ सिद्धि योग – ता. ३ को ३।४६ दिन से रात अंत तक। ता. ४ को २।२८ दिन से ता. ६ के रात अंत तक। ता. १० को ७।११ रात से ता. ११ के ९।२७ रात तक। ता. १२ को सूर्योदय से ११।५७ रात तक। ता. १७ को सूर्योदय से ९।२३ दिन तक। ता. २० को १२।२८ दिन से ता. २१ के १२।३१ दिन तक। ता. २४ को १०।१३ दिन से रात अंत तक। ता. २५ को ८।४१ दिन से रात अंत तक। **अमृत सिद्धि योग** – ता. १७ को सूर्योदय से ९।२३ दिन तक। ता. २० को १२।२८ दिन से रात अंत तक। **द्विपुष्कर योग** – ता. २६ को ७।१८ प्रात से १०।४६ रात तक। **त्रिपुष्कर योग** – ता. ५ को ८।२५ रात से रात अंत तक। **व्यतिपात योग** – तारीख ८ को २।२१ रात से तारीख ९ के २।७ रात तक। **श्वेताम्बर जैन पर्व** – ता. ४ अक्षय निधि तप प्रा.। ता. ५ पक्षधर। ता. ११ से १८ पर्युषण। ता. १३ एवं २८ पाक्षिक प्रति.। ता. १६ भ. महावीर जन्मवांचन। ता. १७ तेलाधर। ता. १८ मूल सूत्रवांचन। ता. २३ दुबली आठम।

सितम्बर माह के मुख्य व्रत, त्यौहार

ता. 2 कजरी (सतवा) तीज
ता. 3 बहुला, गणेश चतुर्थी व्रत
ता. 4 गोगा पंचमी, भाई-भिजा
ता. 5 हरछठ (हलषष्ठी) व्रत
ता. 7 श्रीकृष्ण जन्माष्टमी व्रत
ता. 10 जया (अजा) एकादशी
ता. 11 गोवत्स द्वादशी, ओमद्वास
ता. 12 प्रदोष व्रत
ता. 13 शिव चतुर्दशी व्रत
ता. 14 कुशग्रहणी स्ना.दा.श्रा.अमा.
ता. 15 स्ना.दा.अमावस, तान्हा पोला
ता. 18 हरितालिका तीज व्रत, सिनायकी चतुर्थी व्रत
ता. 19 ऋषि पंचमी
ता. 21 मोरवाई छठ, संतान साते
ता. 22 दूर्वाष्टमी, राधाष्टमी
ता. 25 जलझूलनी/डोल एकादशी
ता. 27 प्रदोष व्रत
ता. 28 अनंत चौदस, भ.गणेश विसर्जन
ता. 29 स्नानदान व्रत पूर्णिमा
ता. 30 पितृपक्ष प्रारम्भ (कृपया कृष्ण पक्ष ता. के खंड में देखें)

मासफल – इस मास देश की राजनीति में आरोप-प्रत्यारोप का दौर चलेगा। अफवाहों के माध्यम से चुनावी राज्यों में साम्प्रदायिक तनाव बढ़ाने के प्रयासों में तेजी आयेगी। सोना, धातुओं में सामान्य तेजी-मंदी परिलक्षित होगी। कपास के भावों में कमी होगी। बाढ़, वर्षा से पहाड़ एवं भवन गिरने से जनक्षति होगी।

सूर्य नक्षत्र प्रवेश – सूर्य पू.फा. नक्षत्र में। ता. १४ को ६।५२ शाम से उ.फा. नक्षत्र में (सज्ञा-स्त्री-स्त्री, सूर्य-सूर्य, वाहन-नाग, अल्पवृष्टि)। ता. २८ को १०।१५ दिन से हस्त नक्षत्र में (सज्ञा-स्त्री-पुरुष, सूर्य-सूर्य, वाहन-मण्डूक, वर्षा श्रेष्ठ)। **दिगम्बर जैन पर्व** – ता. ७ रोहिणी व्रत। ता. १८ त्रिलोक तीज (रोट तीज)। ता. १८ से २३ पुष्पांजली पर्व। ता. १९ ऋषि पंचमी, पर्युषण पर्व प्रारम्भ। ता. २२ शील सप्तमी। ता. २४ अनंत व्रत प्रारम्भ, सुगंध दशमी। ता. २६ से २८ रत्नत्रय व्रत। ता. २८ अनंत चतुर्दशी, अनंत व्रत, पर्युषण पर्व पूर्ण। तारीख २९ क्षमावाणी। तारीख ३० षोडशकारण व्रत पूर्ण।

70 71 72 **शरीर के खुले अंगों में डेंगू मच्छर सबसे ज्यादा काटता है अतः उससे बचाव की व्यवस्था नवम्बर तक अवश्य करें।**

लाला रामस्वरूप रामनारायन पंचांग

90 वर्षों से प्रकाशित

प्रहलाद अग्रवाल जबलपुर

दर्द या बुखार रोग का संकेत
दर्द किसी गम्भीर रोग का सूचक हो सकता है इस लम्बे समय तक "दर्द की दवा" खाकर न दबायें, इसी तरह कई दिन से आ रहे बुखार को भी लम्बे समय तक "बुखार उतारने की दवा" खाकर न दबायें। अनुभवी विशेषज्ञ डॉक्टर को दिखाकर वास्तविक बीमारी का सही निदान एवं उसका पूरा इलाज करवायें।

ता. 15 महाराजा अग्रसेन जयंती

ता. 24 विजयादशमी (दशहरा)

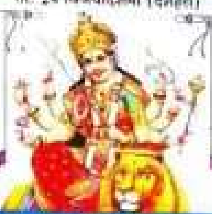

ता. 28 महर्षि वाल्मीकि जयंती

कम नींद घातक
मनुष्य के लिये प्रतिदिन 7 से 9 घंटे की नींद जरूरी होती है। लगातार कम नींद से मस्तिष्क, पेशी की क्षमता एवं याददाश्त में कमी, गुस्सा, हृदय रोग, हाई ब्लड प्रेशर, डिप्रेशन, डायबिटीज, चिड़चिड़ापन, खराब एसिडिटी जैसी समस्यायें जन्म ले लेती हैं जो स्वास्थ्य व दिनचर्या को भी खराब करती हैं।

बीते कल का अफसोस और आने वाले कल की चिंता, हमारी आज की खूबसूरती चुरा लेती है।

भद्रास्थिति – ता. १ को ११।४ रात से ता. २ के १०।२० दिन तक। ता. ४ को ८।३४ दिन से ८।४७ रात तक। ता. ८ को १२।१० रात से ता. ९ के १।३ दिन तक। ता. १२ को ७।११ रात से ता. १३ के ८।४ दिन तक। ता. १८ को ११।२७ दिन से ११।१० रात तक। ता. २१ को ६।४८ शाम से ४।२७ रात अंत तक। ता. २४ को ११।८ रात से ता. २५ के ९।२६ दिन तक। ता. २७ को ३।१८ रात से ता. २८ के २।२४ दिन तक। ता. ३१ को १०।४० दिन से १०।३४ रात तक भद्रा रहेगी। **गुरु, शुक्र तारा** – पूर्व दिशा में उदित। **पंचक** – ता. २३ को २।३० रात से ता. २८ के ७।३६ प्रात. तक। इन त्यौहारों एवं मूर्ति विसर्जन आदि में पंचक का कोई दोष नहीं होता है।

विक्रम संवत् 2080 | वीर निर्वाण सं. 2549

रामनारायन

OCTOBER **2023**

सूर्य दक्षिणायन, शरद ऋतु | ईस्वी सन् | शंकराचार्य संवत् 2530

चन्द्रस्थिति – मेष का। ता. ३ को ४।१ रात अंत से वृष का। ता. ४ को १०।४८ दिन से मिथुन का। ता. ७ को ७।२४ रात से कर्क का। ता. १० को ६।२६ प्रात. से सिंह का। ता. १२ को ६।४६ शाम से कन्या का। ता. १४ को ५।२४ रात अंत से तुला का। ता. १७ को १।४२ दिन से वृश्चिक का। ता. १९ को ७।२४ रात से धनु का। ता. २१ को ११।४६ रात से मकर का। ता. २३ को २।३० रात से कुम्भ का। ता. २५ को ४।४८ रात अंत से मीन का। ता. २८ को ७।३६ प्रात. से मेष का। ता. ३० को ११।४४ दिन से वृष का चन्द्रमा रहेगा। मच्छर के काटने से शुद्ध भी बड़ों एवं बच्चों को भी बचायें।
उदयकालिक लग्न – ता. १ से १८ तक कन्या लग्न, ता. १९ से तुला लग्न।

ग्रहों के राशिचक्र तारीख १ उदयकाल में

के.श.	६	५ गु.	
८	सू.मं.		३ रा.
९		३	
१०	११		२
श. ११		१ गु.रा.	

हिजरी सन् 1445
रवि उलावल/रवि उस्सानी मास (4)
ता. 3 ईद मीलाद, ता. 16 चन्द्रदर्शन, ता. 17 से रवि उस्सानी मास प्रारम्भ, ता. 27 ग्यारहवीं शरीफ

10

अक्टूबर

आश्विन (क्वांर)/ कार्तिक मास (8)

रा. शक संवत् 1945
रा.आश्विन 9 से रा.कार्तिक 9 तक
(ता. 23 से राष्ट्रीय कार्तिक मास प्रारम्भ)
बंगाला सन् 1430
१४ आश्विन, ता.19 से कार्तिक मास प्रारंभ

ग्रहों के राशिचक्र ता. १८ उदयकाल में

के.श.	७	५	
६	सू.मं.बु.के.		३ गु.
१०		४	
श. ११		१ गु.रा.	

दूध हिसाब			धुलाई का कपड़ा	तिथि समय	
ता.	सुबह	शाम		तिथि	समय बजे तक
1				१	११।०७ दिन तक
2				३	१०।२० दिन तक
3				४	८।१६ दिन तक
4				५	८।४७ दिन तक
5				६	८।३४ दिन तक
6				७	८।३६ दिन तक
7				८	९।२४ दिन तक
8				९	११।१७ दिन तक
9				१०	१।३ दिन तक
10				११	३।३ दिन तक
11				१२	५।१० शाम तक
12				१३	७।११ रात तक
13				१४	८।४८ रात तक
14				३०	१०।२२ रात तक
15				१	११।२० रात तक
16				२	११।४७ रात तक
17				३	११।४४ रात तक
18				४	११।१० रात तक
19				५	१०।१६ रात तक
20				६	८।४४ रात तक
21				७	६।४८ शाम तक
22				८	४।३६ शाम तक
23				९	३।४२ दिन तक
24				१०	१२।२० दिन तक
25				११	१२।६६ दिन तक
26				१२	७।३४ रात तक
				१३	३।२० रा.अं.तक
27				१४	३।१० रात तक
28				१५	१।३२ रात तक
29				१	१२।१७ रात तक
30				२	११।६ रात तक
31				३	१०।३४ रात तक
योग					

वार					
रवि (SUNDAY)	1 — राष्ट्रीय रक्तदान दिवस; आश्विन कृष्ण ३	8 — दशमी श्राद्ध; आश्विन कृष्ण ९	15 — बैठकी, नवरात्रारंभ; आश्विन शुक्ल १	22 — महाष्टमी, दुर्गाष्टमी व्रत	29 — कार्तिक कृष्ण १
सोम (MONDAY)	2 — चतुर्थी श्राद्ध; गणेश चतुर्थी व्रत	9 — आश्विन कृष्ण १०	16 — चन्द्रदर्शन; आश्विन शुक्ल २	23 — नवमी विसर्जन, दुर्गा नवमी व्रत ९	30 — कार्तिक कृष्ण २
मंगल (TUESDAY)	3 — पंचमी श्राद्ध; आश्विन कृष्ण ४	10 — इंदिरा एकादशी; आश्विन कृष्ण ११	17 — आश्विन शुक्ल ३	24 — दशमी विजयादशमी, दशहरा १०	31 — सरदार पटेल जयंती; कार्तिक कृष्ण ३
बुध (WEDNESDAY)	4 — आश्विन कृष्ण ५	11 — त्रयोदशी श्राद्ध; आश्विन कृष्ण १२	18 — विनायकी चतुर्थी व्रत; आश्विन शुक्ल ४	25 — पंचक; पापांकुशा एकादशी ११	
गुरु (THURSDAY)	5 — षष्ठी श्राद्ध; आश्विन कृष्ण ६	12 — शिव चतुर्दशी व्रत, प्रदोष व्रत १३	19 — उपांग ललिता व्रत; आश्विन शुक्ल ५	26 — पंचक; प्रदोष व्रत १२/१३	
शुक्र (FRIDAY)	6 — महालक्ष्मी व्रत, जिउतिया व्रत ७	13 — सर्वपितृ अमावस्या श्राद्ध; आश्विन कृष्ण १४	20 — सरस्वती आवाहन; आश्विन शुक्ल ६	27 — पंचक; आश्विन शुक्ल १४	
शनि (SATURDAY)	7 — मातृ नवमी; आश्विन कृष्ण ८	14 — पितृमोक्ष अमावस; स्ना.दा.श्रा.अमावस ३०	21 — सरस्वती पूजा; आश्विन शुक्ल ७	28 — शरद पूर्णिमा, वाल्मीकि जयंती; स्ना.दा.व्र. पूर्णिमा १५	

ऐच्छिक अवकाश
ता. 13 प्राणनाथ प्रग. महो.
ता. 14 पितृमोक्ष अमावस
ता. 23 दुर्गा नवमी व्रत
वर्ष में कुल तीन ऐच्छिक अवकाश लिये जा सकते हैं।

मूल
पिछली तारीख से प्रारम्भ अश्विनी के ता. १ के १०।४७ रात तक। आश्लेषा के ता. ८ को ४।३२ रात अंत से ता. १० के ६।२६ प्रात. तक फिर मघा के ता. ११ के ६।१६ दिन तक। ज्येष्ठा के ता. १८ को ८।१२ रात से ता. १९ के ७।२४ रात तक फिर मूल के मूल ता. २० के ७।१२ रात तक। रेवती के ता. २७ को ८।४७ दिन से ता. २८ के ७।३६ प्रात. तक फिर अश्विनी के ता. ३१ के ६।३६ प्रात. तक रहेंगे।

पंचांग गिफ्ट करें
यह पंचांग बहुमूल्य जानकारियों का खजाना है। आप जिनको भी यह गिफ्ट करेंगे वह आपका प्रशंसक हो जायेगा। इस बात निश्चित करके अवश्य देखिये।

सूर्य उदय दिनांक	1 – 6:06	5 – 6:07	10 – 6:10	15 – 6:11	20 – 6:14	25 – 6:17
सूर्य अस्त दिनांक	1 – 5:55	5 – 5:53	10 – 5:48	15 – 5:43	20 – 5:40	25 – 5:33

यादादाश्त

राशिफल
मेष – श्रम अधिक, मतभेद, व्यर्थ तनाव
वृष – भवन लाभ, नये कार्य का विचार
मिथुन – संतान सुख, मित्र मिलन, यात्रा
कर्क – भूमि लाभ, वाहन कष्ट, सफलता
सिंह – पदोन्नति, स्थानांतरण, शुभ कार्य
कन्या – सफलता, जायदाद वृद्धि, तनाव
तुला – प्रतिष्ठा वृद्धि, पदोन्नति, मित्र लाभ
वृश्चिक – भूमि-भवन लाभ, मित्र कष्ट
धनु – धन प्राप्ति, रोग भय, वाहन कष्ट
मकर – मित्र सुख, स्थानांतरण, शुभ कार्य
कुंभ – वाहन सुख, व्यर्थ चिंता, यात्रा
मीन – नुकसान भय, व्यर्थ विवाद, चिंता

शुभ मुहूर्त
नामकरण – ता. 4,5,12,16,23,25,26 अन्नप्राशन – तारीख 4, 5, 12, 26 व्यापार – ता. 4,8,15,18,22,26,28

मुख्य जयंती, दिवस
ता. 1 रायबहादुर डॉ. हीरालाल जयंती
ता. 2 म.गांधी, लालबहादुर शास्त्री ज., विश्व अहिंसा एवं आवास दिवस
ता. 9 वीर सीताराम कंवर बलिदान दि.
ता.10 विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस
ता.12 विश्व दृष्टि दिवस
ता.13 प्राणनाथ प्रगटन महोत्सव
ता.15 डॉ.ए.पी.जे. अब्दुल कलाम ज.
ता.24 साईं बाबा पुण्यतिथि
ता.28 करम पर्व, असारी दिवस, म. अजमीढ़, म. दमघोष जयंती, टेकचंद महाराज समाधि दिवस, संत सिंगाजी मेला निमाड़
ता.31 श्रीमती इंदिरा गांधी पुण्यतिथि

ग्रहस्थिति
सूर्य – कन्या राशि में, ता. १८ के ३।१६ दिन से तुला में। **मंगल** – कन्या राशि में, ता. ३ के ६।२८ शाम से तुला में। **बुध** – सिंह राशि में, ता. १ के ६।२१ रात से कन्या में, ता. १८ के १।२ रात से तुला में। **गुरु** – मेष राशि में (वक्री)। **शुक्र** – कर्क में, ता. २ के ८।४६ दिन से सिंह में। **शनि** कुंभ में (वक्री)। **राहु** – मेष में, ता. ३० के ८।२८ दिन से मीन में। **केतु** – तुला में, ता. ३० के ८।२८ दिन से कन्या में।

सर्वार्थ सिद्धि योग – ता. १ को सूर्योदय से १०।४७ रात तक। ता. ३ को सूर्योदय से १०।३ रात तक। ता. ४ को सूर्योदय से रात अंत तक। ता. ८ को सूर्योदय से ४।३२ रात अंत तक। ता. १० को सूर्योदय से ६।२६ प्रात. तक। ता. १८ को सूर्योदय से ८।१२ रात तक। ता. २२ को सूर्योदय से ४।३० शाम तक। ता. २३ को सूर्योदय से ३।१६ दिन तक। ता. २७ को ८।२४ दिन से रात अंत तक। ता. ३१ को सूर्योदय से ६।३६ प्रात. तक। भवन में सोलर पैनल लगवायें।
अमृत सिद्धि योग – ता. १८ को सूर्योदय से ८।१२ रात तक। ता. २७ को ८।२४ दिन से रात अंत तक। **त्रिपुष्कर योग** – ता. २१ को ६।४८ शाम से ६।५८ शाम तक। **पुष्य नक्षत्र** – ता. ७ को २।२१ रात से ता. ८ के ४।३२ रात अंत तक। **नर्मदा पंचक्रोशी पदयात्रा** – ता. १० से १४ ममलेश्वर-पुनीश्वर-अघोरेश्वर नर्मदा नगर (इंदिरा सागर बांध)। ता. २४ से २८ सीतामाता-

卐 अक्टूबर माह के मुख्य व्रत, त्यौहार 卐

ता. 2 गणेश चतुर्थी व्रत	ता. 20 सरस्वती आवाहन
ता. 6 जिउतिया, महालक्ष्मी व्रत	ता. 21 सरस्वती पूजा, निशा पूजा
ता. 10 इंदिरा एकादशी व्रत	ता. 22 दुर्गाष्टमी, महाष्टमी व्रत
ता. 12 प्रदोष व्रत, शिव चतुर्दशी व्रत	ता. 23 दुर्गा नवमी, जवारे विसर्जन
ता. 14 पितृमोक्ष, स्ना.दा.श्रा. अमावस	ता. 24 विजयादशमी, दशहरा
ता. 15 शारदीय नवरात्रारंभ, बैठकी	ता. 25 पापांकुशा एकादशी व्रत
ता. 16 चन्द्रदर्शन	ता. 26 प्रदोष व्रत
ता. 18 विनायकी चतुर्थी व्रत	ता. 28 शरद पूर्णिमा, कोजागरी व्रत, स्ना.दा.व्र. पूर्णिमा, चन्द्रग्रहण
ता. 19 उपांग ललिता व्रत	

मासफल – इस मास देश के कई राज्यों में चुनावी सरगर्मियाँ बढ़ेगी, आरोप-प्रत्यारोप के साथ ही अशांति का वातावरण बनाने का प्रयास होगा। सेवा, सोना, चाँदी, लोहा, खाद्य सामग्री आदि में तेजी-मंदी के झटके आयेंगे। मादक क्राइम बढ़ेगा। कई क्षेत्रों में मच्छर जन्य रोगों में वृद्धि देखने मिलेगी।
सूर्य नक्षत्र प्रवास – सूर्य हस्त नक्षत्र में। ता. ११ को १०।४७ रात से चित्रा नक्षत्र में (संज्ञा-स्त्री-स्त्री, सूर्य-चंद्र, वाहन-मूषक, अल्पवृष्टि)। ता. २४ को ८।२६ दिन से स्वाती नक्षत्र में (संज्ञा-स्त्री-पुरुष, सूर्य-सूर्य, वाहन-अश्व, वर्षा श्रेष्ठ)। **व्यतीपात योग** – ता. ४ को ११।२६ दिन से ता. ५ के १०।१८ दिन तक फिर तारीख २९ को ६।५३ रात से तारीख ३० के ७।२१ रात तक।
दिगम्बर जैन पर्व – ता. ४ एवं ३१ रोहिणी व्रत। ता. २८ आचार्य विद्यासागर जन्मदिन। **श्वेताम्बर जैन पर्व** – तारीख १३ पाक्षिक प्रतिक्रमण। तारीख

रजिस्टर्ड ट्रेडमार्क नं. 70 71 72

लगातार 90 वर्षों से प्रकाशित

लाला रामस्वरूप रामनारायन पंचांग

संपादक प्रहलाद अग्रवाल जबलपुर

दीपावली पूजा

तारीख 12 को सूर्यास्त बाद से विशेष शुभ है। इस दिन लक्ष्मी जी भक्तों के घरों में प्रवेश करती हैं। व्यावसायिक प्रतिष्ठानों में दिन से ही पूजन प्रारंभ हो जायेगा जो शाम तक चलता है।

लक्ष्मी प्राप्ति मंत्र

ॐ श्रीं महालक्ष्मी च विद्महे, विष्णु-पत्नी च धीमहि तन्नो लक्ष्मी प्रचोदयात्।

ता. 12 दीपावली

ता. 27 गुरुनानक देव जयंती

ता. 27 महात्मा सुदर्शन जयंती

गोवर्धन पूजा एवं भाई दोज

प्रदोषव्यापी अमावस्या के कारण दीपावली ता. 12 को और कार्तिक शुक्ल एकम में ता. 14 को गोवर्धन पूजा, अन्नकूट पर्व ता. 15 को दोज तिथि में भाई दोज पर्व शास्त्रानुसार मनेगा। परम्परागत रूप से मनाने वाले कुछ श्रद्धालु दीपावली के अगले दिन गोवर्धन पूजा और उसके अगले दिन भाई दोज मनायेंगे।

वोट डालने अवश्य जायें और चुनिये उन्हें जो ईमानदारी से जनसेवा एवं देशसेवा के लिये समर्पित हों।

भद्रास्थिति – ता. ३ को ११:४८ रात से ता. ४ के १२:४१ दिन तक। ता. ७ को ६:२१ शाम से ता. ८ के ७:२४ प्रात: तक। ता. ११ को १२:४३ दिन से १:११ रात तक। ता. १६ को ११:४३ रात से ता. १७ के ११:१० दिन तक। ता. १९ को ५:११ रात अंत से ता. २० के ४:१ शाम तक। ता. २३ को ९:३ दिन से ७:४७ रात तक। ता. २६ को २:५३ दिन से २:२५ रात तक। ता. २८ को १:४५ रात से ता. ३० के २:१ दिन तक भद्रा रहेगी।
गुरु, शुक्र तारा – पूर्व दिशा में उदित। [illegible]
पंचक – तारीख २० को १०:४१ दिन से तारीख २४ के ३:४२ दिन तक।
व्यतिपात योग – ता. २४ को ६:३१ दिन से ता. २५ के ६:४६ प्रात: तक।

विक्रम संवत् 2080

वीर निर्वाण सं. 2549/50

रामनारायन

NOVEMBER 2023

सूर्य दक्षिणायन, शरद ता. 18 से हेमन्त ऋतु

शंकराचार्य संवत् 2530

चन्द्रस्थिति – वृष का। ता. १ को ६:१८ शाम से मिथुन का। ता. ३ को ३:११ रात से कर्क का। ता. ६ को २:७ दिन से सिंह का। ता. ८ को १:२६ रात से कन्या का। ता. ११ को १२:४७ दिन से तुला का। ता. १३ को ६:३० रात से वृश्चिक का। ता. १५ को ३:४७ रात से धनु का। ता. १८ को ७:४३ प्रात: से मकर का। ता. २० को १०:४१ दिन से कुम्भ का। ता. २२ को १२:४८ दिन से मीन का। ता. २४ को ३:४२ दिन से मेष का। ता. २६ को ७:५० रात से वृष का। ता. २८ को २:२ रात से मिथुन का चन्द्रमा रहेगा। **पुष्य नक्षत्र** – ता. ४ को ६:३६ दिन से ता. ५ के ११:४२ दिन तक।
उदयकालिक लग्न – ता. १ से १७ तक तुला लग्न, ता. १८ से वृश्चिक लग्न।

ग्रहों के सायंकाल तारीख १ उदयकाल में

हिजरी सन् 1445

रबि उस्सानी/जमादि उलावल माह (5)

ता.4 श्री मैयदना साहब सम्मेलन, ता.14 [illegible], ता.15 से जमादि उलावल माह प्रा. [illegible]

11 कार्तिक मास/अगहन (मार्गशीर्ष) (9)

नवम्बर

रा.शक संवत् 1945

रा.कार्तिक 10 से रा.मार्गशीर्ष 9 तक (ता. 22 से राष्ट्रीय मार्गशीर्ष मास प्रारम्भ)

बंगला सन् 1430

का कार्तिक, ता. 18 से मार्गशीर्ष मास प्रारंभ

ग्रहों के सायंकाल ता. १० उदयकाल में

दूध हिसाब / तिथि समाप्त

ता.	सुबह	शाम	[illegible]	तिथि	समय बजे तक
1				४	१०:३१ रात तक
2				५	१०:५६ रात तक
3				६	११:४८ रात तक
4				७	१:२४ रात तक
5				८	३:१३ रात तक
6				९	५:१६ रा.अं. तक
7				१०	दिन-रात
8				१०	७:२४ प्रात: तक
9				११	९:२८ दिन तक
10				१२	११:१७ दिन तक
11				१३	१२:४३ दिन तक
12				१४	१:४२ दिन तक
13				३०	२:१० दिन तक
14				१	२:१८ दिन तक
15				२	१:३४ दिन तक
16				३	१२:३४ दिन तक
17				४	११:१० दिन तक
18				५	९:२६ दिन तक
19				६	७:२४ प्रात: तक
				७	५:११ रा.अं. तक
20				८	३:११ रात तक
21				९	१२:३६ रात तक
22				१०	१०:१६ रात तक
23				११	९:०७ रात तक
24				१२	७:१८ शाम तक
25				१३	५:१४ शाम तक
26				१४	३:५३ दिन तक
27				१५	१:५६ दिन तक
28				१	१:२७ दिन तक
29				२	१:१८ दिन तक
30				३	२:१९ दिन तक
योग					

खरीदी शुभ मुहूर्त

ता. 4, 5 पुष्य नक्षत्र में एवं ता. 10 धनतेरस के दिन सोना, चाँदी, बर्तन, वाहन आदि खरीदना विशेष शुभ माना गया है।

पंचांग गिफ्ट करें

यह पंचांग बहुमूल्य जानकारियों का खज़ाना है, जिसको भी यह गिफ्ट करेंगे वह आपका प्रशंसक हो जायेगा। इस बार गिफ्ट अवश्य करके देखिये।

ऐच्छिक अवकाश

ता. 1 करवा चौथ व्रत
ता. 4 डॉ. मैयदना साहब
ता. 11 दक्षिणी दीपावली
ता. 13 दीपावली दूसरा दिन
ता. 22 श्री झूलेलाल जयंती
ता. 23 संत नामदेव जयंती
ता. 24 गुरु तेगबहादुर श.दि.

वार					
रवि (SUNDAY)		5 अहोई अष्टमी व्रत, कार्तिक कृष्ण ८	12 लक्ष्मी कुबेर पूजन, दीपावली १४	19 सूर्य षष्ठी व्रत ६/७	26 बैकुण्ठ चतुर्दशी १४
सोम (MONDAY)		6 कार्तिक कृष्ण ९	13 सोमवती अमावस, स्ना.दा.श्रा. अमावस ३०	20 गोपाष्टमी, कार्तिक शुक्ल ८	27 कार्तिक पूर्णिमा, स्नानदान पूर्णिमा १५
मंगल (TUESDAY)		7 कार्तिक कृष्ण १०	14 गोवर्धन पूजा, अन्नकूट १	21 अक्षय नवमी, कार्तिक शुक्ल ९	28 अगहन कृष्ण १
बुध (WEDNESDAY)	1 करवा चौथ व्रत ४	8 कार्तिक कृष्ण १०	15 भाई दोज २	22 कार्तिक शुक्ल १०	29 अगहन कृष्ण २
गुरु (THURSDAY)	2 कार्तिक कृष्ण ५	9 रमा एकादशी ११	16 कार्तिक शुक्ल ३	23 देवउठनी एकादशी ११	30 अगहन कृष्ण ३
शुक्र (FRIDAY)	3 स्कन्द षष्ठी व्रत, कार्तिक कृष्ण ६	10 प्रदोष व्रत, धनतेरस १२	17 विनायकी चतुर्थी व्रत ४	24 प्रदोष व्रत १२	
शनि (SATURDAY)	4 कार्तिक कृष्ण ७	11 रूप (नरक) चतुर्दशी, शिव चतुर्दशी व्रत १३	18 पांडव पंचमी, कार्तिक शुक्ल ५	25 कार्तिक शुक्ल १३	

मूल – अश्लेषा के ता. ५ को ११:४२ दिन से ता. ६ के २:० दिन तक फिर मघा ता. ७ के ४:४३ शाम तक। ज्येष्ठा के ता. १४ को ३:५० रात से ता. १५ के ३:४७ रात तक फिर मूल के मूल ता. १६ के ३:१० रात तक। रेवती के तारीख २३ को ५:१२ शाम से तारीख २४ के ३:०१ दिन तक फिर अश्विनी के तारीख २५ के २:३८ दिन तक रहेंगे।

याददाश्त

राशिफल

मेष – मित्र मिलन, वाहन कष्ट, खर्च
वृष – संतान सुख, मित्र सहयोग, यात्रा
मिथुन – मित्र मिलन, तनाव, रोग कष्ट
कर्क – मतभेद, भूमि लाभ, रोग चिंता
सिंह – दूर प्रवास, पदोन्नति, वाहन लाभ
कन्या – मित्र लाभ, व्यर्थ तनाव, प्रवास
तुला – प्रापर्टी लाभ, धार्मिक कार्य, यात्रा
वृश्चिक – सफलता, चिंता, संतान सुख
धनु – कार्य में रुकावट, वाहन कष्ट, चिंता
मकर – विश्वासघात, अधिकारी से तनाव
कुंभ – मांगलिक कार्य, तीर्थयात्रा, भय
मीन – मित्र सुख, व्यर्थ तनाव, धन हानि

शुभ मुहूर्त

विवाह – तारीख 24, 27, 28, 29
नामकरण – ता. 2, 9, 23, 27, 29
अन्नप्राशन – ता. 2, 10, 22, 24, 29
गृहारंभ – तारीख 23, 27, 29 **जीर्णो गृहप्रवेश** – ता. 18, 22, 23 **व्यापार** – ता. 4, 5, 10, 18, 23, 25, 27, 29

मुख्य जयंती, दिवस

ता. 1 म.प्र., छत्तीसगढ़ स्थापना दिवस
ता.12 स्वामी दयानंद निर्वाणोत्सव
ता.13 हिंगोट युद्ध गौतमपुरा गाँव (म.प्र.)
ता.14 पं.जवाहरलाल नेहरू ज., बाल दिवस
ता.17 लाला लाजपत राय बलिदान दि.
ता.19 संत जलाराम बापा, रानी लक्ष्मी बाई, श्रीमती इंदिरा गांधी जयंती
ता.22 वीर दुर्गादास राठौर पुण्यतिथि
ता.23 सत्य साईं, कवि कालिदास जयंती श्री खाटू श्याम अवतरण दिवस
ता.26 डॉ. हरिसिंह गौर ज., संविधान दि.
ता.27 नर्मदा परिक्रमा भेड़ाघाट जबलपुर

ग्रहस्थिति

सूर्य – तुला राशि में, ता. १७ के १:२५ दिन से वृश्चिक में। **मंगल** – तुला राशि में, ता. १६ के १०:३६ दिन से वृश्चिक में। **बुध** – तुला राशि में, ता. ६ के ४:७ शाम से वृश्चिक में, ता. २६ के २:२६ रात से धनु राशि में। **गुरु** – मेष राशि में (वक्री)। **शुक्र** – सिंह राशि में, ता. ३ के ८:१४ दिन से कन्या में, ता. ३० के ३:२७ रात से तुला में। **शनि** – कुम्भ राशि में (वक्री), ता. ४ के १०:१६ रात से मार्गी। **राहु** – मीन राशि में। **केतु** – कन्या राशि में।

सूर्य उदय दिनांक	1 – 6:19	5 – 6:20	10 – 6:23	15 – 6:26	20 – 6:29	25 – 6:32
सूर्य अस्त दिनांक	1 – 5:28	5 – 5:26	10 – 5:25	15 – 5:23	20 – 5:21	25 – 5:19

सर्वार्थ सिद्धि योग – ता. १ को सूर्योदय से रात अंत तक। ता. ३ को ७:२४ प्रात: से रात अंत तक। ता. ५ को सूर्योदय से ११:४२ दिन तक। ता. २३ को ५:१२ शाम से ता. २४ के रात अंत तक। ता. २७ को १:३५ दिन से रात अंत तक। ता. २६ को सूर्योदय से २:२० दिन तक। ता. ३० को ३:२६ दिन से रात अंत तक। **अमृत सिद्धि योग** – तारीख २४ को सूर्योदय से ३:४२ दिन तक। **त्रिपुष्कर योग** – ता. १६ को ११:२८ रात से ५:११ रात अंत तक। ता. २८ को १:४३ दिन से रात अंत तक। **द्विपुष्कर योग** – ता. ४ को सूर्योदय से ६:३६ दिन तक। **दिगम्बर जैन पर्व** – ता. १३ भ. महावीर निर्वाणोत्सव। ता. १४ वीर निर्वाण संवत् २५५० प्रारम्भ। ता. २० से २७ तक अष्टान्हिका व्रत। ता. २८ रोहिणी व्रत। **श्वेताम्बर जैन पर्व** – ता. १२ एवं २६ पाक्षिक प्रतिक्रमण। ता. १३ भ. महावीर निर्वाण पर्व। ता. १५ भाई बीज। ता. १८ ज्ञान पांचम। तारीख १६ चौमासी अट्ठाई प्रारम्भ। तारीख २६ चातुर्मास समाप्त।

नवम्बर माह के मुख्य व्रत, त्यौहार

ता. 1 करवा, गणेश चतुर्थी व्रत	ता. 15 भाई दोज, यम द्वितीया
ता. 3 स्कन्द षष्ठी व्रत	ता. 17 विनायकी चतुर्थी व्रत
ता. 5 अहोई अष्टमी व्रत	ता. 18 पांडव पंचमी
ता. 9 रमा एकादशी, गोवत्स द्वादशी	ता. 19 सूर्य षष्ठी व्रत, डाला छठ
ता. 10 प्रदोष व्रत, धनतेरस	ता. 20 गोपाष्टमी
ता. 11 रूप, शिव चतुर्दशी व्रत, दक्षिणी दीपावली	ता. 21 अक्षय (आंवला) नवमी
ता. 12 दीपावली, केदार गौरी व्रत	ता. 23 देवउठनी (प्रबोधिनी) ग्यारस
ता. 13 स्ना.दा.श्रा. सोमवती अमावस	ता. 24 प्रदोष व्रत, चातुर्मास समाप्त
ता. 14 अन्नकूट, गोवर्धन पूजा, गौ क्रीड़ा, बलि पूजा, चंद्रदर्शन	ता. 26 बैकुण्ठ चतुर्दशी, व्रत पूर्णिमा
	ता. 27 स्नानदान कार्तिक पूर्णिमा
	ता. 30 गणेश चतुर्थी व्रत

मासफल – इस मास देश के कुछ राज्यों में चुनावी सरगर्मियाँ चरम पर रहेंगी, चुनावी राज्यों में सत्ता पक्ष को विपरीत परिस्थितियों का भी सामना करना पड़ेगा। शेयर तेजी की ओर जायेगा। सभी प्रकार की खाद्य सामग्री में आंशिक तेजी दिखेगी। हार्ट अटैक, लकवा के मरीज बढ़ेंगे। ठंड का आगमन दिखेगा। **सूर्य नक्षत्र भ्रमण** – स्वाती में। ता. ७ को ३:३४ दिन से विशाखा में। ता. २० को ८:२८ रात से अनुराधा में। **नर्मदा पदयात्रा** – ता. ६ से १० तक कुबेर भंडारी ओंकारेश्वर। ता. २३ से २७ तक ओंकार-मान्धाता-त्रिपुरी, ओंकारेश्वर-ममलेश्वर। **सूचना** – देश में दो प्रकार की पंचांग गणना प्रचलन में है। एक की मान्यता पूर्वी उत्तर भारत में और दूसरे की मान्यता दक्षिण-पश्चिम भारत में है। आपकी माँग पर पूर्वी उत्तर भारत की गणना के साथ-साथ दक्षिण-पश्चिम क्षेत्रों में अंतर वाले कुछ प्रमुख व्रत, त्यौहारों की जानकारी भी इस पंचांग में देने का प्रयास किया है। सोशल मीडिया पर व्रत, त्यौहारों की भ्रामक जानकारी से सचेत रहें।

TM 70 71 72 यह पंचांग खरीदते समय ट्रेडमार्क नं. 70 71 72 पूरा अवश्य देख लें अन्यथा कुछ विक्रेताओं द्वारा नकली पंचांग थमाया जा सकता है। TM 70 71

लगातार ९० वर्षों से प्रकाशित

रजिस्टर्ड ट्रेडमार्क नं. 70 71 72

लाला रामस्वरूप रामनारायन पंचांग

संपादक प्रहलाद अग्रवाल जबलपुर

सोलर पेनल तुरंत लगवायें – सूर्य के रूप में अपने देश में असीमित ऊर्जा उपलब्ध है। इसे भारत की कम्पनी/एजेन्ट से सोलर पेनल अपनी छत पर लगवायें तो ... जो जीवन में आती है ... बिजली कभी नहीं रहती है।

ता. 18 गुरु घासीदास जयंती

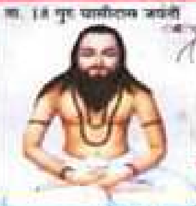

ता. 25 प्रभु ईसा मसीह जयंती

ता. 26 भ. दत्त प्राकट्योत्सव

गजानन वंदना – ... पानी की कमी न होने दें।

यदि आप जागरूक नहीं हैं तो यकीन मानिये अब तक आप कई बार नुकसान उठा चुके हैं।

चन्द्रस्थिति – ता. ३ को ६।२७ शाम से ता. ४ के ७।२१ प्रातः तक। ता. ७ को ११।२० दिन से ... रात तक। ता. १० को ... रात अंत से ता. ११ के ... शाम तक। ता. १६ को ११।२० दिन से १०।३० रात तक। ता. १८ को ३।४९ दिन से ... रात तक। ता. २२ को ... रात से ता. २३ के ... प्रातः तक। ता. २४ को ... रात अंत से ता. २६ के ... शाम तक। ता. ३१ को ... रात से तारीख ३० के ... दिन तक भद्रा रहेगी।

गुरु, शुक्र तारा – पूर्व दिशा में उदित। ...

पंचक – तारीख १७ को ७।०९ रात से तारीख २१ के ११।२८ रात तक।

विक्रम संवत 2080 | वीर निर्वाण सं. 2550

रामनारायन

DECEMBER

ईस्वी सन् 2023

12 अगहन (मार्गशीर्ष)/पौष मास (10)

दिसम्बर

हिजरी सन् 1445 – जमादि उलअव्वल/जमादि उस्सानी माह (6) तारीख 14 चन्द्रदर्शन, तारीख 15 से जमादि उस्सानी माह प्रारंभ

चन्द्रस्थिति – मिथुन का। ता. १ को १०।३० दिन से कर्क का। ता. ३ को ... रात से सिंह का। ता. ६ को ... दिन से कन्या का। ता. ८ को ... रात से तुला का। ता. १० को ... रात अंत से वृश्चिक का। ता. १३ को ११।०० दिन से धनु का। ता. १५ को ... शाम से मकर का। ता. १७ को ... रात से कुम्भ का। ता. २० को ... रात से मीन का। ता. २२ को ११।०१ रात से मेष का। ता. २५ को ... रात से वृष का। ता. २७ को ... दिन से मिथुन का। ता. ३० को ... शाम से कर्क का। ता. ३१ को ... रात अंत से सिंह का चन्द्रमा रहेगा। स्वदेशी वस्तु ही खरीदें।

रा. शक संवत 1945 – रा. मार्गशीर्ष 10 से रा. पौष 10 तक (ता. 22 से राष्ट्रीय पौष मास प्रारंभ)

बंगला सन् 1430

	रवि	सोम	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
	31 पौष कृष्ण ४	डाक से पंचांग – डाक द्वारा यह पंचांग मंगवाने का तरीका इसी पेज में सबसे नीचे दिया गया है।	मूल		ऐच्छिक अवकाश	1 अगहन कृष्ण ४	2 अगहन कृष्ण ५
	3 अगहन कृष्ण ६	4 अगहन कृष्ण ७	5 अगहन कृष्ण ८	6 अगहन कृष्ण ९	7 अगहन कृष्ण १०	8 अगहन कृष्ण ११	9 अगहन कृष्ण १२
	10 अगहन कृष्ण १३	11 अगहन कृष्ण १४	12 अमावस ३०	13 अगहन शुक्ल १	14 अगहन शुक्ल २	15 अगहन शुक्ल ३	16 अगहन शुक्ल ४
	17 अगहन शुक्ल ५	18 अगहन शुक्ल ६	19 अगहन शुक्ल ७	20 अगहन शुक्ल ८	21 अगहन शुक्ल ९	22 अगहन शुक्ल १०	23 अगहन शुक्ल ११/१२
	24 अगहन शुक्ल १३	25 अगहन शुक्ल १४	26	27 पौष कृष्ण १	28 पौष कृष्ण २	29 पौष कृष्ण ३	30 पौष कृष्ण ३

ऐच्छिक अवकाश – ता. 18 गुरु घासीदास ज., ता. 19 ..., ता. 26 भ. दत्त जयंती

सूर्य उदय दिनांक 1 – 6:39, 5 – 6:40, 10 – 6:43, 15 – 6:47, 20 – 6:49, 25 – 6:52

सूर्य अस्त दिनांक 1 – 5:20, 5 – 5:21, 10 – 5:24, 15 – 5:25, 20 – 5:26, 25 – 5:27

यादداश्त

ग्रहस्थिति

सूर्य – वृश्चिक में, ता. १६ के ... से धनु में। **मंगल** – वृश्चिक में, ता. २७ के ... से धनु में। **बुध** – धनु में, ... से वक्री, ... वृश्चिक में (वक्री)। **गुरु** – मेष में (वक्री), ... से मार्गी। **शुक्र** – तुला में, ता. २५ के ... दिन से वृश्चिक में। **शनि** – कुम्भ में। **राहु** – मीन में। **केतु** – कन्या राशि में।

राशिफल

मेष – रोग भय, वाहन कष्ट, संतान सुख
वृष – विवाद में बाधा, स्त्री कष्ट, लाभ
मिथुन – मित्र मिलन, विवाद, शुभ कार्य
कर्क – मित्र मिलन, हानि, रोग चिंता
सिंह – धार्मिक कार्य, शत्रु भय, व्यर्थ खर्च
कन्या – भूमि लाभ, सफलता, विवाद
तुला – श्रम अधिक, मनचिंता, व्यर्थ व्यय
वृश्चिक – स्त्री कष्ट, मित्र मिलन, विवाद
धनु – शिक्षालाभ, धन लाभ, चिंता
मकर – शुभ सूचना, संतान सुख, यात्रा
कुम्भ – मित्र मिलन, लाभ, यश प्राप्ति
मीन – चिंता, वाहन कष्ट, खर्च अधिक

शुभ मुहूर्त

विवाह – ता. 1 से 7, 9, 10, 13 से 15
नामकरण – ता. 7, 21, 28 अन्नप्राशन – ता. 1, 7, 15, 21, 22, 28, 29
व्यापार – ता. 1, 7, 8, 9, 15, 22

मुख्य जयंती, दिवस

ता. 3 डॉ. राजेन्द्रप्रसाद जयंती, विश्व विकलांग दिवस, भोपाल गैस त्रासदी दि.
ता. 4 स्वामी ब्रह्मानंद लोधी जयंती
ता. 10 श. वीर नारायण सिंह बलि. दिवस
ता. 15 सरदार पटेल पुण्यतिथि
ता. 17 गुरु तेगबहादुर श. दि.
ता. 18 गुरु घासीदास जयंती
ता. 20 संत गाडगे महाराज निर्वाण दिवस
ता. 22 श्रीनिवास रामानुजन जयंती
ता. 24 राष्ट्रीय उपभोक्ता दिवस, दादा धूनी वाले निर्वाण दिवस
ता. 25 पं. अटल बिहारी वाजपेयी जयंती, पं. मदनमोहन मालवीय जयंती
ता. 29 म. छत्रसाल पराक्रम दिवस

सर्वार्थ सिद्धि योग – ता. १ को सूर्योदय से ... शाम तक। ता. ४ को ... दिन से रात अंत तक। ता. ११ को ११।३२ दिन से रात अंत तक। ता. १६ को ... दिन से रात अंत तक। ता. २१ को सूर्योदय से ता. २२ के ... रात तक। ता. २४ को सूर्योदय से ता. ... तक। ता. २८ को सूर्योदय से ता. ... तक।

अमृत सिद्धि योग – ता. २२ को ... बजकर ... मिनिट रात से रात अंत तक।

द्विपुष्कर योग – तारीख ... को सूर्योदय से ... बजकर ... मिनिट दिन तक।

त्रिपुष्कर योग – ता. १२ को सूर्योदय से ... दिन तक। ता. २३ को ... रात से ... रात अंत तक। **पुष्य नक्षत्र** – ता. १ को ... शाम से ता. २ के ... रात तक फिर ता. २८ को ... रात से तारीख ... के ... रात तक।

नर्मदा पंचकोशी पदयात्रा – ता. ८ से १२ तक ... (बरमान)। ता. २२ से २६ तक ...

व्यतिपात योग – ता. १४ को ... रात से ता. २० के ... शाम तक।

दिसम्बर माह के मुख्य व्रत, त्यौहार

ता. 5 काल भैरवाष्टमी
ता. 8 उत्पन्ना एकादशी व्रत
ता. 10 प्रदोष व्रत
ता. 11 शिव चतुर्दशी व्रत
ता. 12 स्नानदान श्राद्ध अमावस्या
ता. 14 चन्द्रदर्शन
ता. 16 विनायकी चतुर्थी व्रत
ता. 18 चम्पा षष्ठी, बैगन छठ
ता. 19 नन्दा सप्तमी
ता. 23 मोक्षदा एकादशी व्रत
ता. 24 प्रदोष व्रत, अनंग त्रियोदशी
ता. 26 स्नानदान व्रत, दत्त पूर्णिमा
ता. 30 गणेश चतुर्थी व्रत

दिगम्बर जैन पर्व

ता. 25 रोहिणी व्रत

श्वेताम्बर जैन पर्व

ता. 7 भ. महावीर दीक्षा कल्याणक
ता. 11 एवं 25 पाक्षिक प्रतिक्रमण
ता. 23 मौन ग्यारस
ता. 28 कुमुदपूर्ण प्रारम्भ

भारतफल – इस माह सरकार द्वारा कई योजनाओं को पूरा करने में तेजी लायी जायेगी। विपक्षी दल सत्तारूढ़ दल की गरिमा को कमजोर करने का प्रयास करेंगे। आवश्यक वस्तुओं के दामों की तेजी को कम करने का प्रयास होगा। सोना, चांदी-चाँदी, धातु सामग्री में तेजी रहेगी। वर्षा बिजली आदि का प्रकोप रहेगा। **सूर्य नक्षत्र प्रवेश** – अनुराधा में। ता. ३ को ११।३३ रात से ज्येष्ठा में। ता. १६ को १।२० रात से मूल में। ता. २८ को २।२० रात से पू. षा. नक्षत्र में।

घर बैठे यह पंचांग मंगवाने हेतु यदि आपके क्षेत्र में यह पंचांग उपलब्ध न हो तो डाक द्वारा पंचांग मंगवाने हेतु पोस्टेज एवं पैकिंग खर्च सहित एक नग 100/-, दो नग 165/- व तीन नग हेतु 230/- पेटीएम, फोनपे या गूगलपे द्वारा मोबाइल नम्बर 09827250309 पर कृपया एडवांस भिजवायें साथ ही अपना नाम, पूरा पता, पिनकोड, पंचांग की तादाद एवं पेमेंट स्क्रीनशाट (ट्रांजेक्शन नं.) उपरोक्त मोबाइल नं. पर मैसेज या व्हाट्स-अप करें।

70 71 72 अपने विक्रेता या न्यूज पेपर हाकर्स से "रामनारायन पंचांग" ट्रेडमार्क नं. 70 71 72 ...